वार्षिक प्रतिवेदन– 2013–14

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड

अस्थायी परिसर : राजकीय पॉलिटेक्निक, श्रीनगर गढ़वाल – 246174,
जिला – पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

वार्षिक एवं लेखा प्रतिवेदन 2013–14

विषय सूची

		पृष्ठ सं0
01.00	**परिचय**	
	उद्देश्य	5
	शिक्षा प्रणाली	5
	नई पहल	6
02.00	**सिंहावलोकन**	
02.01	ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	7
02.02	स्थान	8
02.03	परिसर	8
02.04	प्रशासन	8
02.05	शैक्षणिक कार्यक्रम	8
02.06	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	8
02.07	प्रवेश प्रक्रिया	8
02.08	छात्र	9
02.09	परीक्षा एंव मूल्यांकन	9
02.10	प्रशिक्षण और स्थापन	11
02.11	कार्यक्रम घटनाऐं एवं गतिविधिया	11
02.12	खेल सुविधाऐं	13
02.13	उल्लेखनीय उपलब्धियां	14
02.14	अनुसंधान एवं विकास संरचना	14
03.00	**कर्मचारी वृंद**	
03.01	शैक्षणिक कर्मचारी	14
03.02	अधिकारीगण	16
03.03	सतत शिक्षा प्रक्रिया	18
04.00	**शक्षणिक कार्यक्रम**	
04.01	प्रस्तुत पाठ्यक्रम	20
04.02	लिंग एवं जाति के आधार पर नामांकन	21
04.03	छात्रावास	22
04.04	छात्रवृत्ति/आर्थिक सहायता	23
04.05	खेल	24
04.06	पुरस्कार एवं सम्मान	24
05.00	**अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां**	
05.01	पीएचडी कार्यक्रम	24
05.02	वर्तमान अनुसंधान परियोजनाएं	25
05.03	प्रायोजित शोध एवं औद्योगिकी परामर्श (एसआरआईसी)	26

06.00 प्रशासन एवं वैधानिक निकाय एवं अन्य समितियां
06.01 शासक मण्डल 27
06.02 वित्त समिति 28
06.03 भवन निर्माण समिति 29
06.04 अधिशासी सभा (सीनेट) 30

07.00 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं विकलांगों के लिए रियायतें
07.01 छात्रों हेतु रियायतें 31
07.02 कर्मचारियों हेतु रियायतें 31

08.00 वित्तीय स्थिति
08.01 योजना एवं गैर योजनागत अनुदानों का विश्लेषण 31
08.02 निधियों के स्रोत 31

09.00 केन्द्रीय सुविधाएँ एवं सेवाएँ
09.01 संगणक केंद्र 31
09.02 कार्यशाला 32
09.03 पुस्तकालय 32
09.04 प्रयोगशालायें 33
09.05 अस्पताल 38
09.06 भौतिक सुविधाएं 38
09.07 खेल सुविधांए 38
09.08 छात्रावास, भोजनालय एवं निवास तथा प्रशासन एवं अन्य सुविधायें 38

10.00 उल्लेखनीय उपलब्धियां 39

11.00 तकनीकी संगठनों की गतिविधियां एवं छात्र रूचि क्लब 39

लेखा प्रतिवेदन 41–72

निदेशक का संदेश

मैं अपार हर्ष के साथ सूचित करता हूँ कि वर्ष 2013 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड के लिए अत्यंत फलदायी रहा। मैं गर्व के साथ घोषणा करता हूँ कि 33 संकाय सदस्य, 04 अधिकारी एवं 12 गैर शैक्षणिक संदस्यों की नियुक्ति शैक्षणिक वर्ष 2013–14 में की गयी। इस शैक्षणिक सत्र मे सिविल अभियान्त्रिकी में स्नातकपूर्व कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया । हमने विभिन्न विभागों में 246 छात्रों का स्नातकपूर्व कार्यक्रम प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया। विभिन्न विभागों में छात्रों की संख्या इस प्रकार है–सिविल अभियान्त्रिकी विभाग में 59, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में 45, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में 43, विद्युत अभियांत्रिकी में 47 एवं यान्त्रिक अभियान्त्रिकी में 52 छात्रों ने प्रवेश लिया। इसके अतिरिक्त छात्रों की काल्पनिक, संरचनात्मक एवं लेखन शैली के संवर्धन हेतु मासिक संवाद पत्र टेक्नासेवी एवं भित्ति पत्र "थिंक टैंक" भी प्रारम्भ किया गया।

इसके अतिरिक्त, प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ की स्थापना इस उद्देश्य से की गयी कि प्रथम समूह के छात्रों को शीघ्रातिशीघ्र नियुक्ति मिल सके। मैं अत्यंत हर्ष के साथ कहना चाहता हूँ कि इस प्रकोष्ठ ने सक्रिय रूप से कार्य किया जिससे की सात छात्रों को विभिन्न संगठनों में नियुक्ति प्राप्त हुई जिसमें सर्वोच्च पैकेज 09 लाख रूपये सालाना है। आगन्तुक संगठनों में, ट्राईडेन्ट समूह, सनकोर माइक्रोसिस्टमस, स्पेक्ट्रम प्लानिंग सर्विसेज, अमेजन इड़िया प्रा0 लि0, रैमको इड़िया प्रा0 लि0 इत्यादि थे।

संस्थान मे विभिन्न नियमों का निर्धारण एवं कई समितियों का गठन किया गया जिससे कि उचित नीति निर्धारण किया जा सके। मुझे यह घोषणा करते हुए अपार हर्ष होता कि हमने परिसर के विस्तार के लिए ठोस कदम उठाए हैं। अपने परिसर का विस्तारण करने की प्रक्रिया में, हमनें 600 वर्ग मीटर की भूमि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, श्रीनगर के परिसर में ले चुके हैं। छात्र–छात्राओं की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए दो पुरूष छात्रावास जिसमें 270 छात्र एवं एक महिला छात्रावास जिसमे 25 छात्राओं को ठहराया जा सके, को भी निर्मित किया गया हैं। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड सरकार ने संस्थान के स्थायी परिसर हेतु 125 हेक्टेयर की भूमि श्रीनगर से 22 कि0मी0 दूर सुमाड़ी गांव में स्वीकृत की है एवं 19 फरवरी 2014 को भूमि पूजन समारोह सम्पन्न किया गया।

बंसत 2014 मे पी0 एचडी0 कार्यक्रम को भी प्रारम्भ किया जा चुका है तथा शरद 2015 से एम0 एससी0, एम0टेक0 एवं प्रबन्ध अध्ययन जैसे पाठ्यक्रमों को भी संचालित हेतु हम प्रयासरत है।

अन्ततः हम छात्रों, अभिभावको, संस्थान के सदस्यों, अधिशासी मण्डल एवं सरकार द्वारा प्रदत्त सक्रिय योगदान, संवर्धन एवं उत्साहवर्धन को स्वीकार करते हैं एवं निकट भविष्य में इस प्रकार की निरन्तर सहयोग की अपेक्षा करते हैं।

प्रो0 एच0 टी0 थोरात

परिचय

ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत, भारत सरकार ने 10 नये एन.आई.टी. स्थापित करने का निर्णय लिया। एन.आई.टी. उत्तराखण्ड उन्हीं दस में से एक है। संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पूर्णरुपेण वित्तपोषित है। प्रो0 एच0 टी0 थोरात के नियमित निदेशक के रुप में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व संस्थान अपने शैशवकाल में राप्रौसं, कुरुक्षेत्र के संरक्षण में था। वर्तमान में राप्रौसं, उत्तराखण्ड शासकीय तंत्र निकेतन, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड में स्थित अस्थायी परिसर से अपनी गतिविधियां संचालित कर रहा है।

वर्ष 2013 मे संस्थान ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थान बनने की दिशा मे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वर्ष 33 संकाय सदस्य, 04 अधिकारी एवं 12 गैर शैक्षणिक संदस्यों की नियुक्ति की गयी एवं सिविल अभियान्त्रिकी में स्नातकपूर्व कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। फलस्वरुप छात्रों की संख्या में भी वृद्धि आलेखित की गयी जो कि 2012 में 237 से बढ़कर 2013 में 470 हो गयी।

छात्रों एवं अध्यापकों की वृद्धि को देखते हुए अपने परिसर का विस्तारण करने की प्रक्रिया में, हम 600 वर्ग मीटर की भूमि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, श्रीनगर के परिसर में ले चुके हैं। इसके अतिरिक्त उत्तराखण्ड सरकार ने संस्थान के स्थायी परिसर हेतु 125 हेक्टेयर की भूमि श्रीनगर से 22 कि0मी0 दूर सुमाड़ी गांव में स्वीकृत की है एवं 19 फरवरी 2014 को भूमि पूजन समारोह माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार के कर कमलों द्वारा सम्पन्न किया गया।

सम्प्रति, संस्थान में पूर्णकालिक स्नातकपूर्व कार्यक्रम संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, यान्त्रिक अभियान्त्रिकी एवं सिविल अभियान्त्रिकी में संचालित किये जाते है जिसमें कुल 470 छात्र प्रविष्ठ किये गये हैं।

उद्देश्य

संस्थान छात्रों को नैतिक शिक्षा पर आधारित उच्च श्रेणी की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने एवं छात्रों को समाज सेवा एवं लोगों को निर्णायक सामाजिक – तकनीकी एवं सामाजिक आर्थिक समस्याओं से अवगत कराने तथा ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र में तकनीकि सहायता उपलब्ध कराने हेतू प्रतिबध है। संस्थान का उद्देश्य, मानव संसाधन का विकास, उद्योग के साथ मिलकर, राष्ट्रीय विकास करना है।

शिक्षा प्रणाली

संस्थान 04 वर्षीय स्नातकपूर्व कार्यक्रम संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, यान्त्रिक अभियान्त्रिकी एवं सिविल अभियान्त्रिकी में संचालित करता है। इन कार्यक्रमों में क्रेडिट आधारित सेमिस्टर प्रणाली लागू है। शैक्षणिक वर्ष को क्रमशः दो भागो एवं दो अवधि में विभाजित किया जाता है– शरद एवं वसंत एवं ग्रीष्म एवं शीत।

छात्रों को प्रत्येक व्याख्यान, ट्यूटोरियल एवं प्रयोगात्मक क्रियाकलाप में भाग लेना आवश्यक है। उन्हें उपस्थिति ग्रेड दिया जाता है जिससे कि वे परीक्षा में उपस्थित हो सके। छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का मूल्यांकन CGPA के आधार पर किया जाता है।

पंजीकरण

प्रत्येक छात्र को शैक्षणिक कैलेण्डर के अनुसार अधिसूचित दिन पर व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण करना आवश्यक है–

- सभी पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण स्नातकपूर्व के प्रथम दो सत्रों के दौरान अनिवार्य है। जबकि सभी पाठ्यक्रम सभी शाखाओं के लिए समान है।
- पंजीकरण विभागाध्यक्ष की देख – रेख में विभागीय स्तर पर आयोजित किया जाता है ।
- केवल उन छात्रों को पंजीकरण की अनुमति दी जाती है जो पिछले सेमिस्टर में संस्थान की सभी बकाया पूरा कर चुके हों। वर्तमान सेमिस्टर का निर्धारित शुल्क दे चुकें हो। अनुशासनात्मक कार्यवाही के आधार पर पंजीकरण से वंचित न किया गया हो।
- द्वितीय वर्ष में पंजीकृत होने के लिए, छात्र को संतोषजनक ढ़ंग से कम से कम 30 क्रेडिट (पूरक परीक्षाओं के बाद) पूरा करना अनिवार्य है।

- तृतीय वर्ष में पंजीकृत होने के लिए छात्र को संतोषजनक ढ़ंग से प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में 70 क्रेडिट (पूरक परीक्षाओं के बाद) पूरा कर लिया जाना चाहिए तथा पूरक परीक्षाओं के उपरान्त प्रथम वर्ष के सभी पाठ्यक्रम उतीर्ण करना होता है।
- अंतिम वर्ष के प्रथम सेमिस्टर में पंजीकृत होने के लिए, छात्र को संतोषजनक ढंग से कम से कम 130 क्रेडिट तृतीय वर्ष में पूरे कर लेने चाहिए एवं संतोषजनक ढंग से तृतीय वर्ष (पूरक परीक्षाओं के बाद) के सभी पाठ्यक्रम उतीर्ण कर लेने चाहिए।

नई पहल

शैक्षणिक वर्ष 2003–14 राप्रौसं, उत्तराखण्ड के लिए उल्लेखनीय उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा। इस वर्ष महत्वपूर्ण कदम उठाए गए जो कि निम्नलिखित रुप से आलेखित हैं–

1. प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ

संस्थान ने प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ की स्थापना इस उद्देश्य के साथ की कि प्रथम समूह के छात्रों का स्थापन किया जा सके। गर्व के साथ यह घोषणा किया जाता हैं कि इस प्रकोष्ठ ने सक्रिय रूप से कार्य किया जिससे सात छात्रों को विभिन्न संगठनों में नियुक्ति प्राप्त हुई जिसमें सर्वोच्च पैकेज 09 लाख रूपये सालाना थी। संस्थान आगन्तुक संगठनों में ट्राईडेन्ट समूह, सनकोर माइक्रोसिस्टमस, स्पेक्ट्रम प्लानिंग सर्विसेज, अमेजन इड़िया प्रा0 लि0, रैमको इड़िया प्रा0 लि0 इत्यादि थे।

2. संकाय सदस्यों का महत्वपूर्ण संस्थानों में भ्रमण

संस्थान ने एक नई पहल के तहत नवनियुक्त संकाय सदस्यों का आई0 आई0 टी0 एवं एन0 आई0 टी0 में भ्रमण को प्रयोजित किया जिससे कि वे उचित अध्यापन शिक्षण एवं शोध अर्न्तराष्ट्रीय मानकों के अनुसार कर सकें। यह भ्रमण संकाय सदस्यों के शैक्षणिक, मानव संसाधन को समृद्धशाली बनाने में उपयोगी सिद्ध हुआ। संस्थान के अधिकारियों एवं प्राध्यापकों ने इस भ्रमण मे अति उत्साह दिखाया एवं अपने ज्ञान पिपासा को शांत किया। संकाय सदस्यों ने अपने शैक्षणिक एवं शोध के विकास के लिए सहयोगात्मक अवसरों की तलाश की। इस शैक्षणिक यात्रा में प्राध्यापकों ने न केवल ज्ञान का आदान–प्रदान किया अपितु आधुनिक विद्वानों के दर्शन भी किये। निम्नलिखित सारणी संकाय सदस्यों एवं उनके विभाग तथा उनके द्वारा संस्थानों में किये गये भ्रमण को दर्शाती हैं–

संकाय सदस्यों के नाम एवं विभाग	भ्रमण किये गये संस्थान
डॉ0 अजय कुमार चौबे– मानविकी श्री अपूर्व मंडल– यान्त्रिक अभियान्त्रिकी श्री सौरव बोस– विद्युत अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 बॉम्बे, एस0वी0एन0आई0टी0 सूरत, एवं आई0आई0टी0 गाँधीनगर
डॉ0 नितिन शर्मा – मानविकी श्री अश्विनि कुमार यादव– यान्त्रिक अभियान्त्रिकी श्री पीयूश तिवारी – इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 दिल्ली, एन0आई0टी0 दिल्ली, आई0आई0टी0 जोधपुर एवं एम0एन0आई0टी0 जयपुर
प्रो0 वी0के0 शर्मा– विद्युत अभियांत्रिकी डॉ (श्रीमती) रेनू भदोला डंगवाल– मानविकी सुश्री दीपिका सिपल–इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 मद्रास, एन0आई0टी0 त्रिची, एवं एन0आई0टी0 पुदूचेरी
डॉ0 सरोज रंजन डे– मानविकी डॉ0 अनिरबन मुखर्जी– मानविकी श्री कुमार गौरव–इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी श्री0 विकास कुकशाल– यान्त्रिक अभियान्त्रिकी	आई0आई0टी0 मद्रास, एन0आई0टी0 वारन्गल, एवं आई0आई0टी0 हैदराबाद
डॉ0 एम0एस0 खत्री– मानविकी श्री नितिन कुमार – संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी श्री विनीत पी0 चन्द्रन– विद्युत अभियांत्रिकी	आई0आई0एस0सी0 बंगलुर, एन0आई0टी0 सुरथकल, एवं एन0आई0टी0 गोवा
डॉ0 इन्द्रजीत नागपुरे– मानविकी डॉ0 पवन कुमार राकेश– यान्त्रिक अभियान्त्रिकी श्री सन्तोष भगत– इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 कानपुर, एन0आई0टी0 इलाहाबाद, एवं आई0आई0टी0 भुवनेश्वर
डॉ0 ए0एस0 धुंडी– यान्त्रिक अभियान्त्रिकी	आई0आई0टी0 खड़गपुर, एन0आई0टी0 सिलचर,

डॉ0 धीरेन्द्र बहादुर सिंह– मानविकी श्री महिराज सिंह रावत– विद्युत अभियांत्रिकी	एन0आई0टी0 मणिपुर एवं एन0आई0टी0 मिजोरम
डॉ0 विनीता नेगी– सहायक कुलसचिव (लेखा) डॉ0 गरिमा सनामन– सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ0 पंकज कण्डवाल– मानविकी सुश्री मिताली हल्दर– संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 खड़गपुर, एन0आई0टी0 राउरकेला, एन0आई0टी0 अरुणांचल प्रदेश एवं एन0आई0टी0 नागालैण्ड
डॉ0 कुलदीप शर्मा – मानविकी श्री मनदीप सिंह– इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी श्री प्रकाश द्विवेदी– विद्युत अभियांत्रिकी श्री महीप सिंह– संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	आई0आई0टी0 गुवाहाटी, एन0आई0टी0 दुर्गापुर, एन0आई0टी0 सिक्किम एवं एन0आई0टी0 मेघालय
डॉ0 दीपक बहेरा– मानविकी सुश्री घनप्रिया सिंह– इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी सुश्री स्मिता कलोनी–सिविल अभियान्त्रिकी	आई0आई0एस0सी0 बंगलुर, एन0आई0टी0 कालीकट, एवं आई0आई0टी0 इन्दौर

3. शिलान्यास समारोह–

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड का शिलान्यास समारोह ग्राम सुमाडी में 19 फरवरी 2014 को सम्पन्न हुआ। संस्थान का स्थायी परिसर 300 एकड़ की भूमि पर स्थित होगा। श्री हरीश रावत, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड सरकार, समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री सतपाल महाराज, संसद सदस्य, पौड़ी गढ़वाल, श्री हरक सिंह रावत, काबीना मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार, श्री गणेश गोदीयाल, विधायक, श्रीनगर गढ़वाल, प्रो0 एस0 के0 सिंह, कुलपति, हे0न0ब0 विश्वविद्यालय, डॉ0 एम0सी0 पन्त, कुलपति, उत्तराखण्ड चिकित्सा विश्वविद्यालय, डॉ0 वी0एल0 जहांगिरदार, प्राचार्य, चिकित्सा महाविद्यालय, श्रीनगर एवं श्री राजेश अरोड़ा, महाप्रबन्धक, एन0बी0सी0सी0 भी समारोह में उपस्थित थे। संस्थान के निदेशक डॉ0 एच0टी0 थोरात ने अपने भाषण में नये परिसर की बिजली एवं पानी की आपूर्ति में आत्म–निर्भरता पर बल दिया। संस्थान के परिसर का प्रारुप तैयार है एवं पर्यावरण के अनुकूल परिसर के निर्माण की योजना है। इसके अतिरिक्त, नये परिसर की चारदीवारी के निर्माण का कार्य प्रतिवेदन के दौरान प्रारम्भ हो चुका है।

02.00 सिंहावलोकन

02.01 ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत, तकनीकी शिक्षा विभाग, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2009 में स्थापित किया गया। संस्थान पूर्णरूपेण मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय नियंत्रण में है।

वर्तमान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), उत्तराखण्ड, शासकीय तंत्र निकेतन, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड में अपने अस्थायी परिसर से अपनी गतिविधियां संचालित करता है।

02.02 स्थान

वर्तमान में, संस्थान शासकीय तंत्र निकेतन, श्रीनगर गढ़वाल, में अस्थायी रूप से स्थित है। श्रीनगर गढ़वाल, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 58 पर ऋषिकेश से 105 कि.मी. की दूरी पर है। ऋषिकेश, यह निकटतम रेलवे स्टेशन है। हरिद्वार उत्तराखण्ड का मुख्य रेलवे स्टेशन है जो कि श्रीनगर से 130 कि.मी. दूरी पर है। निकटतम हवाई अड्डा जौलीग्रांट, देहरादून है जो श्रीनगर से 125 कि.मी. दूर है। टैक्सी, हवाई अड्डे की सेवा श्रीनगर के लिए उपलब्ध है। श्रीनगर देहरादून, ऋषिकेश एवं हरिद्वार से सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। ऋषिकेश से श्रीनगर तक पँहुचने के लिए 3 से 4 घंटे का समय लगता है।

02.03 परिसर

संस्थान आवासीय परिसर से युक्त है जिसे शासकीय तंत्र निकेतन में संचालित किया जाता है जिसमें अस्थायी रूप से भवनों का निर्माण किया गया है। छात्रों के लिये अलग से भोजनालय की व्यवस्था है। संस्थान में संकाय सदस्यों के लिये भी आवास की व्यवस्था उपलब्ध करायी गयी है जिससे कि वे अकेले या परिवार के साथ रह सकें ।

02.04 प्रशासन

संस्थान के निदेशक को अधिष्ठाता एवं सहअधिष्ठाताओं का समूह शिक्षा, शोध एवं योजना छात्र कल्याण, शिक्षक कल्याण, योजना एवं विकास, संगणक एवं खेल प्रशिक्षण एवं स्थापन सम्बन्धित मामलों में सहायता प्रदान करता है। कुछ कर्मचारी गण लेखा, प्रशासन, पुस्तकालय, खेल एवं कार्यालयी मामलों की देख–रेख के लिए तैनात किये गये हैं तथा कुछ तकनीकी तथा कार्यालय पदो पर नियुक्ति प्रकियान्तर्गत।

02.05 शैक्षणिक कार्यक्रम–

संस्थान स्नातक पूर्व कार्यक्रम अभियांत्रिकी में प्रदान करता है। प्रारम्भ में विद्युत अभियांत्रिकी, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी इत्यादि शाखाऐं थी। तदुपरान्त शैक्षणिक वर्ष 2012–13 एवं 2013–14 में क्रमशः यान्त्रिक–अभियांत्रिकी एवं सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक पूर्व कार्यक्रम प्रारम्भ किये गये।

02.06 प्रस्तुत पाठ्यक्रम–

संस्थान में निम्नलिखित स्नातकपूर्व कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं–

1– विद्युत अभियांत्रिकी

2– इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी

3– संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

4– यांत्रिक अभियांत्रिकी

5– सिविल अभियांत्रिकी

इसके अतिरिक्त संस्थान पीएच0डी0 पाठ्यक्रम विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी तथा विज्ञान एवं मानविकी (भौंतिकी, रसायन, गणित, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र एवं समाजशास्त्र) में संचालित करता है।

02.07 प्रवेश प्रक्रिया

स्नातक पूर्व कार्यक्रम–

छात्र जिन्होंने इण्टरमीडिएट की परीक्षा केन्द्र या राज्य बोर्ड से भौंतिकी, रसायन, गणित एवं अंग्रेजी में उत्तीर्ण की हो वे बी0टेक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु योग्य हैं।

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड में 50 प्रतिशत सीटें गृह राज्य उत्तराखण्ड के लिए आरक्षित हैं तथा भोश 50 प्रतिशत अन्य राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए हैं। अन्य राज्यों में गृह राज्य शामिल नहीं हैं। गृह राज्य का तात्पर्य छात्र के उत्तराखण्ड राज्य से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने से है।

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड उन्हीं अभ्यर्थियों को प्रवेश देता है जो जे0ई0ई0 (मुख्य परीक्षा) में प्राप्त रैंक के आधार पर जो कि सामान्य योग्यता सूची में स्थान प्राप्त किया हो के आधार पर दिया जाता है। अभ्यर्थी को उसकी पसन्द के अनुसार केवल 1 सीट दी जाती है। जो कि उसने अखिल भारतीय श्रेणी में प्रश्न पत्र 1 या प्रश्न पत्र 2 में शामिल हों। सीट का निर्धारण सी0एस0ए0बी0 के अनुसार वरीयता क्रम के आधार पर दिया जाता है। एक अभ्यर्थी उच्च वरीयता क्रम में दूसरे चरण की काउन्सलिंग में प्राप्त कर सकता है। तात्कालिक सीट निर्धारण संस्थान में उपलब्ध सीटों के आधार पर उपलब्ध कराया जाता है। प्रथम एवं द्वितीय चरण के पश्चात्, हमारे यहां तात्कालिक चरण की भी व्यवस्था है। अभ्यर्थियों को ऑनलाईन या उपलब्ध सहायता केन्द्र पर जाकर पंजीकरण कराना आवश्यक है। अभ्यर्थी को तात्कालिक चरण के लिए नई वरीयताऐं भरना आवश्यक है।

पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में प्रवेश–

संस्थान में पीएच0डी0 कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2013–14 में प्रारम्भ किया गया। अभ्यर्थियों को उनकी स्नातकोत्तर उपाधि में सम्बन्धित विषय में प्रथम श्रेणी (सीपीआई या सीजीपीए 6.75) या न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना चाहिए, एवं गेट (GATE)/नेट या सेट होना आवश्यक है। शार्टलिस्टेड अभ्यर्थियों को योग्यता के आधार पर लिखित परीक्षा तदुपरान्त साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाता है। लिखित परीक्षा हेतु अभ्यर्थी को न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक लाना आवश्यक है। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात्, अभ्यर्थी को उसी दिन साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार उत्तीर्ण करने के पश्चात् अभ्यर्थी को अनंतिम प्रवेश अंशकालिक या पूर्णकालिक आधार पर उसके इच्छानुसार दिया जाता है। पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में अनंतिम प्रवेश के पश्चात् अभ्यर्थी को एक पर्यवेक्षक आवंटित किया जाता है। अभ्यर्थी को अपने शोध रूचि के अनुसार तीन महीने के भीतर पर्यवेक्षक से सलाह के पश्चात् शोध संक्षेपिका तैयार करनी होती है। तत्पश्चात् पंजीकरण से पूर्व शोध उन्नति समिति (RPC) के समक्ष जून या दिसम्बर के महीने में प्रस्तुतीकरण देना होता है। शोध उन्नति समिति के संस्तुति के पश्चात् अभ्यर्थी को जनवरी या जुलाई माह में रू0 20000.00 शुल्क के साथ पंजीकरण कराना आवश्यक है। यह पंजीकरण 6 वर्ष के लिए मान्य है। अभ्यर्थी को प्रत्येक सेमेस्टर में रू0 15000.00 शुल्क के साथ अपना पंजीकरण का नवीनीकरण कराना आवश्यक है। संस्थान के नियमानुसार छात्र को छात्रवृत्ति दी जाती है। छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थी को GATE/NET/SET होना आवश्यक है। संस्थान पूर्णकालिक पीएच0डी0 अभ्यर्थी को रू0 10000.00 छात्रवृत्ति प्रदान करता है। अंशकालिक अभ्यर्थियों को कोई छात्रवृत्ति नहीं दी जाती है।

02.08 छात्र–

वर्ष 2013–14 में प्रथम वर्ष में नामांकित छात्रों की संख्या–

1–	सिविल अभियांत्रिकी	–	59
2–	विद्युत अभियांत्रिकी	–	46
3–	यांत्रिक अभियांत्रिकी	–	51
4–	इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	–	42
5–	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	–	44
	कुल योग	–	**242**
पीएच0डी0 पाठ्यक्रम में अभ्यर्थियों की संख्या		–	07

02.09 परीक्षा एवं मूल्यांकन–

छात्रों को कक्षा में एवं परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर ग्रेड श्रेणी दी जाती है। ग्रेड एवं उसके समकक्ष अंकबिन्दु निम्नलिखित है–

ग्रेड	ग्रेड बिन्दु	विवरण
AA	10	सर्वोत्तम
AB	09	उत्तम

BB	08	अच्छा (औसत से ऊपर)
BC	07	पाठ्यक्रम में प्राप्त उद्देश्य
CC	06	प्रदर्शन से नीचे
DD	04	न्यूनतम उद्देश्य प्राप्त
EE	0	न्यूनतम
FF	0	अति न्यूनतम
GG	–	अपूर्ण
UU	–	असन्तोषजनक
PP	–	ऑडिट उत्तीर्ण
YY	–	ऑडिट अनुतीर्ण
XX	–	आहरण
KK	–	निरन्तर
SS	–	सन्तोषजनक पूर्णता (शून्य क्रेडिट पाठ्यक्रम)
ZZ	–	सन्तोषजनक/अनुर्तीण (शून्य क्रेडिट पाठ्यक्रम)
JJ	–	मुख्य पाठ्यक्रम में तीन बार असफल। वांछनीय पाठ्यक्रम से प्रतिस्थापित करने की अनुमति

अन्तिम ग्रेड/अंक पत्र में केवल उत्तीर्ण ग्रेड दर्शाये जाते हैं। छात्र जिन्होंने 6.75 सीजीपीए प्राप्त किये हैं उन्हें प्रथम श्रेणी से सम्मानित किया जाता है।

प्रदर्शन का मूल्यांकन–

छात्र का प्रदर्शन दो भागों में मूल्यांकित किया जाता है। जिसमें सेमेस्टर ग्रेड प्वाइन्ट औसत (SGPA) जो कि एक सेमेस्टर का औसत होता है तथा CGPA जो कि सम्पूर्ण सेमेस्टर में प्राप्त औसत होता है।

संचित कोटी अंक औसत (CGPA) जो कि पूर्ण किये गये सेमेस्टर में प्राप्त ग्रेड प्वाइन्टों का औसत होता है।

जिन पाठ्यक्रमों में छात्र द्वारा AA से DD ग्रेड प्राप्त किए है उन सभी पाठ्यक्रमों के कुल क्रेडिट का योग अर्जित क्रेडिट के रूप परिभाषित किया जाता है। स्नातकोत्तर छात्रों के पीपी या एस एस ग्रेड भी अर्जित क्रेडिट में जोड़ा गया है। एक सेमेस्टर में अर्जित ग्रेड प्वाइन्ट (ईजीपी)=Σ(पाठ्यक्रम क्रेडिट×ग्रेड प्वाइन्ट) उन पाठ्यक्रमों जिनमें AA से DD प्राप्त किये है।

पंजीकृत किसी विशेष सत्र में प्राप्त किए गये एस एस और जेड जेड पाठ्यक्रम को छोड़कर समस्त पाठ्यक्रमों में प्राप्त ग्रेडो के आधार पर एस जी पीए की गणना की जाती है। यू यू ग्रेड को ग्रेड प्वाइन्ट के अनुसार फेल ग्रेड माना जाता है तथा एस जी पी ए की गणना के समय इसे भी शामिल किया जाता है।

पूर्ण किए गये सेमेस्टर में प्राप्त किए गये पास ग्रेड (ऑडिट पाठ्यक्रम तथा ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें एस एस एवं जेड जेड प्राप्त किया है, को छोड़कर) के आधार पर सी जी पी ए की गणना की जाती है।

सेमेस्टर ग्रेड प्वाइन्ट औसत (SGPA) =अर्जित ग्रेड प्वाइन्ट (ईजीपी)/Σ(पाठ्यक्रम क्रेडिट) उन पाठ्यक्रमों के लिए जो एक सेमेस्टर में पंजीकृत किये गये हों जिसमें AA-FF ग्रेड प्राप्त हुआ हो।

संचित कोटी अंक औसत (CGPA)=अर्जित ग्रेड प्वाइन्ट (ईजीपी)/Σ(पाठ्यक्रम क्रेडिट) उन पाठ्यक्रमों के लिए जो एक सेमेस्टर में पंजीकृत किये गये हों जिसमें AA-DD ग्रेड प्राप्त हुआ हो।

संचित कोटी अंक औसत (CGPA) से प्रतिशत(%) में रूपान्तरण करने का सूत्र निम्नलिखित है–

$$\text{Percentage (\%)} = 0.60 \times (\text{CGPA})^2 + 0.81 \times (\text{CGPA}) + 27.20$$

प्रतिशत (%) से संचित कोटी अंक औसत (CGPA) में रूपान्तरण करने का सूत्र निम्नलिखित है–

$$\text{CGPA} = \frac{-0.81 + \sqrt{(0.81)2 - 4x(0.60)(27.20 - Percentage)}}{2x0.60}$$

02.10 प्रशिक्षण एवं स्थापन

संस्थान में प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ छात्रों के स्थापन, इर्न्टनशिप एवं प्रशिक्षण हेतु स्थापित किया गया है। कई संस्थानो द्वारा प्रतिवेदन के दौरान संस्थान मे भ्रमण किया तथा छात्रों को इर्न्टनशिप, प्रशिक्षण एवं स्थापन हेतु अवसर प्रदान किये। कुल 7 छात्रों को विद्युत अभियांत्रिकी, इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी एवं संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी में नौकरी हेतु चयनित किया गया।

02.11 कार्यकम और गतिविधियां

ई–पत्रिकाओं की खरीद पर कार्यशाला

रा0 प्रौ0 सं0 संकाय सदस्यो और कर्मचारियों, डॉ0 रेनु बदोला डगवाल, सुश्री0 मिताली हल्दर और सुश्री0 गरिमा सनामन ने दिनांक 12, 13 जुलाई 2013 एन0 आई0 टी0 बारांगल में ई जनरल के माध्यम से अनुसंधान में उत्कृष्ठता को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, एन आई टी पुस्तकालय संघ द्वारा ई जनरल की खरीद के लिए प्रमुख प्रस्तावों को मंजूरी दी गयी।

लैब व्यू पर कार्यशाला

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 10,11 अगस्त 2013 को एडीसीसी प्रा0 लि0 के साथ लैव व्यू पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें कि संकाय के सदस्यों और छात्रों ने सक्रिय रूपसे भाग लिया, जिसमें कि विभिन्न अभियांत्रिक और औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न सॉफटवेयरो का उपयोग करने पर विचार किया गया इसके अतिरिक्त हार्डवेयर सिस्टम के साथ विभिन्न सॉफटवेयर प्रोग्राम की संगतता मुद्दे पर सविस्तार बिन्दु उठाये गये। साथ ही इनके संचालन एवं अनुसंधान गतिविधियों के महत्व पर प्रासंगिक रूप से प्रकाश डाला गया।

मैट लैब पर कार्यशाला

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा दिनांक 8 सितम्बर 2013 को एडीसीसी प्रा0 लि0 के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कि संकाय सदस्यों द्वारा सक्रिय रूप से भाग लिया गया, कार्यशाला में मैटलैब यूजर इण्टरफेस के साथ काम करने सहित विभिन्न प्रशिक्षण मॉडॅयूल शामिल हैं, जैसे कि वैक्टर, और मैट्रिक्स का विश्लेशण, डेटा फाईलों के साथ काम, समारोहों में लेखन कार्य, सिमलिंक मॉडल बनाना और संसोधित करना, निरन्तर समय मॉडलिंग, असतत समय और संकर प्रणालियां आदि।

प्री यूरेका कार्यशाला

आई0आईटी0 बाम्बे, ई सेल के माध्यम से रा0प्रौ0सं0 और पोषण प्रतिभा अकादमी प्रा0 लि0 में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 14.09.2013 को किया गया जिसमें कि श्री अमित गुरोहर संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पोषण प्रतिभा अकादमी प्रा0लि0 और रजत शर्मा मुख्य कार्यकारी अधिकारी और संकाय सलाहकार पोषण प्रतिभा अकादमी प्रा0लि0 उपस्थित थे। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों के लिए उद्यमिता से सम्बन्धित जटिलताओं के बारे में जागरूकता, बी प्लान लेखन, विपणन और वित मुख्य था। इस कार्यशाला मे छात्रों को यूरेका में भाग लेने और आई0आई0 बॉबे में जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इन्डक्शन ट्रैनिंग प्रोग्राम पर कार्यशाला

दिनांक 20 से 22.09.2013 तक रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा नव नियुक्त शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों के लाभ के लिए 20 घण्टों का प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके लिए वीएनआईटी, नागपुर के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण सत्र का संचालन करने के लिए दौरा किया गया। जिसमें कि रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड के 40 से अधिक स्टाफ सदस्यों द्वारा भाग लिया गया तथा श्री एम गुनशेखरन, वीएनआईटी, नागपुर द्वारा सामान्य वित्तीय नियम, लेन–दे खरीद प्रकिया, निर्माण गतिविधियों, सेवा अनुबन्ध, आयकर, सेवाकर और रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड के कर्मचारी के रूप में लागू पेशेवर कर पर व्याख्यान दिया गया। श्री सी एस तोमर, औ एस डी, वीएनआईटी, नागपुर कार्यालय के संगठन संरचाना द्वारा रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड के अधिकारियों के बारे में संकाय सदस्यों को सूचित किया कि रा0प्रौ0सं0 अधिनियम के अनुसार रा0प्रौ0सं0 के कामकाज को विभिन्न धाराओं के निहितार्थ बताया। साथ ही साथ उन्होने रा0प्रौ0सं0 की विधियों अधिकारियों की शक्तियो और कर्मचारियों की सेवाशर्तों के नियमों पर विचार विमर्स किया। श्री ए0पी0 विरोदकर, उप कुलसचिव लेखा, वीएनआईटी, नागपुर ने भी एक व्यापक केन्द्रीय सेवा नियमावली पर रा0प्रौ0सं0 की विधियों के माध्यम से प्रवर्तन पर व्याख्यान किया, उन्होने कहा कि प्रतिन्युक्ति, पेशन अंशदान जैसे शब्दों की प्रासंगिकता के बारे में भी बताया, और अवकाश वेतन अंशदान के बारे में बताया, इसके अतिरिक्त उन्होने परिवार और विशेष प्रावधान के लिए पात्रता कि लिए बैठक की, युवा संकाय एवं कर्मचारी सदस्यों ने शिक्षाप्रद बैठक आनन्द लिया और उनके संदेहों को स्पष्ट करने के लिए अवसर प्रदान किये। प्रेरण कार्यक्रम का समापन 22.09.2013 को किया गया।

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड उत्सव प्रवर्तक 2013

छात्र गतिविधि परिषद, रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा 22/09/2013 को फ्रेसर पार्टी का आयोजन किया गया, समारोह को उद्घाटन प्रो0 एच0टी0 थोरत, माननीय निदेशक द्वारा किया गया। कार्यक्रम को नए चेहरो के रोमांचक प्रर्दशन से चिन्हित किया गया, प्रतिभाशाली युवावो ने लोक नृत्य, साल्सा और गानो द्वारा दर्शको का मंत्रमुग्ध कर दिया । इसके अलावा समारोह का रोमांच बढाने के स्टेन्डप कामेडी एवं मंच नाटक का आयोजन किया गया है। जिसमे कि सेरीन सिद्धकी और सिद्धान्त सक्सेना को मिस और मिस्टर फ्रेसर का ताज पहनाया गया, समारोह के समापन में स्वादिष्ट खाना सभी मेहमानों एवं प्रतिभागियों को परोसा गया।

तनाव प्रबन्धन पर कार्यशाला

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा 26.09.2013 को "आज की चुनौतियों का सामना" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। तनाव प्रबन्धन तकनीकों के साथ छात्रों और संकाय सदस्यों को लैस करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया, 26.9.2013 को प्रो0 वी एल0 जागिरदार, प्राचार्य मेडिकल कॉलेज इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। विशेषज्ञ पैनल में मनौवैज्ञानिक सलाहकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल थे।

डॉ0 एस के बत्रा चिकित्सा अधिकारी वीएनआईटी, नागपुर ने 'समग्र स्वास्थ्य' विषय पर एक व्याख्यान दिया और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए संतुलित आहार की महत्व को रेखाकिंत किया।

डॉ0 ए एस जुंगारे सह प्रध्यापक इलेक्ट्रीकल इन्जीनियरिंगए वीएनआईटी, नागपुर ने खुद को प्रेरित रखने के लिए विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला, श्रीमती सुमित्रा चटर्जी और श्रीमती अदिति देशमुख, सलाहकार वीएनआईटी, नागपुर ने ऐसी स्थिति से निपटने में आत्म बल के महत्व पर छात्रों द्वारा सामना करने के लिए मनोवैज्ञानिक समस्याओं की स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न प्रकार पर ध्यान केन्द्रित करने पर बल दिया।

डॉ0 एस एन देशमुख वीएनआईटी, नागपुर के प्रशिक्षण और स्थापन अधिकारी, वीएनआईटी, नागपुर ने परीक्षा सम्बन्धी चिन्ताओं पर प्रकाश डाला और समूह चर्चा और साक्षात्कार में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। डॉ माधव राजे, वीएनआईटी, नागपुर प्रसिद्ध मनोचिकित्सक ने आत्म छविनिर्माण की प्रक्रिया पर ध्यान केन्द्रित किया और ऐसी छवि निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षकों की भूमिका पर पर बल दिया। श्री एस0 एस0 जुंगारे प्रसिद्ध औद्योगिक विशेषज्ञ नागपुर ने

विभिन्न उद्योगों में तकनीकि शिक्षा के महत्व और इसकी प्रासंगिकता और मांग पर ध्यान केन्द्रित किया। 29.9.2013 को डॉ0 एके सिंह सीएमओ पौड़ी की अध्यक्षता में कार्यशाला का समापन किया गया।

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड उत्सव दुर्गापूजा

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड ने 12 अक्टूबर को प्रथम दूर्गा पूजा का उत्सव मनाया। दूर्गा पूजा को भव्य तरीके से मनाया गया। जिसमें आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम डांडिया, पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण किया गया, छात्रों के अथक प्रयास और व्यवस्थित योजना में वाहवाही और प्रशस्तियां अर्जित हुई।

शिक्षा शास्त्र पर कार्यशाला

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड द्वारा 25.10.2013 तक अध्यापन पर एक व्यापक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयेजन किया गया कार्यशाला का क्षेत्र विशेषज्ञों द्वारा आयोजित कार्यशाला के विभिन्न मुद्दों और विषयो को सम्बोधित किया, वीएनआईटी, नागपुर के प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक डॉ0 योगेश देशपाण्डे ने शिक्षा, टीम के निर्माण की तकनीक और प्रबन्धन के खेल का शिक्षाशास्त्र को समझने की जरूरत पर सविस्तार वर्णन किया, डॉ विवेक ननोटी प्राचार्य, प्रियदर्शनी इन्दिरा कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग ने शिक्षण और सीखने की प्रकिया मे आधुनिक प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रसंगिकरूप से वह शिक्षकों और छात्रों संचार कौशल में वृद्धि और कुछ रोल मॉडल के खिलाफ शिक्षकों के प्रदर्शन का मुल्यांकन करने के तरीके की बीच डिजिटल डिवाइड को कम करने पर जोर दिया।

डॉ नीता साह, प्रो0 रामदेवबाबा कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग और प्रबन्धन, नागपुर ने कार्यस्थल पर सकारात्मक दृष्टिकोण का निर्माण, नौकरी से सन्तुष्टि, भागीदार और संगठनात्मक प्रतिबद्धता के रवैये के प्रभाव पर ध्यान केन्द्रित किया। डॉ0 रोजिना जाना, विभाग प्रमुख, पिर्यदर्शनी समूह ने अपनी प्रस्तुति में समिश्रण शिक्षण और सलाह और छात्रों को समझने और उनके अनुसार शिक्षण अध्यापन को रेखांकित किया। इसके साथ उन्होने गतिविधि आधारित शिक्षा को महत्व दिया। इसी बात पर डॉ चन्दन बिचोरे ने कहा कि इन्जीनियरिंग शिक्षा में इन्जीनियरिंग शिक्षकों के लिए प्रकरण बिल्डिंग छात्रों जटिल अवधारणा और व्याख्यान करने के लिए विडियो और मामले के अध्ययन के प्रयोगों को करने के लिए शोधपत्र का उपयोग करने की उपयोगिता के बारे में बताया। डॉ0 शिशिर पलसापुरे, सह फैलो और पर्यवेक्षक, अल्वर्ट एलिस संस्थान,न्यूयार्क, ने तनाव का मुकाबला करने के लिए रणनीति पर सविस्तार और क्रोध प्रबन्धन की कई तकनीको पर चर्चा की।

डॉ0 राहुल जोशी ने अवसाद से निपटने में संगीत चिकित्सा की भूमिका का उदाहरण दिया। कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञों से सहभागिता प्रमाण पत्र प्राप्त करने के साथ, उक्त कार्यशाला दिनांक 28.10.2013 को सम्पन्न हुई।

02.12 खेल सुविधाऐं

संस्थान छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए पर्याप्त खेल सुविधाऐं उपलब्ध करवाता है। संस्थान का खेल केन्द्र छात्रों एवं कर्मचारियों के उत्साहवर्धन हेतु तथा उन्हें अन्तर–रा0प्रौ0सं0 प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए उत्साहित करता है। खेल केन्द्र का नेतृत्व खेल अधिकारी द्वारा किया जाता है जो छात्रों को विद्यालय स्तरीय एवं राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के हेतु प्रेरित करते हैं। समय–समय पर स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेन्ट तथा गैर–शैक्षणिक क्रिकेट मैच, रिवर राफ्टिंग गतिविधि, साहसिक यात्राऐं, खेल सम्मेलन 2013, अन्तर छात्रावासीय प्रतियोगिताऐं इत्यादि आयोजित किये जाते हैं।

02.13 उल्लेखनीय उपलब्धियां

कर्मचारी वृंद एवं संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, गोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं तमाम बैठकों में सक्रिय रूप से भाग लिये। कुछ अन्य संकाय सदस्यों को विशय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान देने के लिए रा0प्रौ0सं0 में आमन्त्रित किया गया तथा उन्होंने अपने शोधपत्र ख्यातिप्राप्त जर्नल में प्रकाशित किया। इलैक्ट्रान्क्सि एवं संचार अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी एवं संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी से कुल 25 छात्रों ने गेट (GATE) की परीक्षा उत्तीर्ण की, जबकि 2 अन्य छात्रों ने कैट (CAT) एवं जी0आर0ई0 (GRE) की परीक्षा इस वर्ष उत्तीर्ण की।

02.14 अनुसंधान एवं विकास संरचनाएं

प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के लिए पर्याप्त आधारभूत संरचना उपलब्ध है। इनमें नेशनल इन्स्ट्रूमेंन्ट का लैब व्यू सॉफ्टवेयर, ड्राइव्स, इन्वर्टेड पैन्डूलम, मैटलैब, ओरेकल, सिस्को राउटर, ब्लेट सर्वर, स्थायी मेगनेट ब्रशलेस डीसी मोटर, वेक्टर नियन्त्रित इन्डक्शन मोटर, सौर्य एवं वायु ऊर्जा विधि, डिजिटल स्टोरेज ओसीलोस्को, सर्वोमोटर इत्यादि उपलब्ध हैं।

इलेक्ट्रोनिक्स एवं संचार विभाग के पास एलविस–II, इमोना सिगेक्स, एनआईपीएक्सआई–5441, 100एम एस/एस ए डब्ल्यू जी, एनआईपीएक्सआईई 5632, 8.5 जी एच जेड वेक्टर नेटवर्क विश्लेशक, एनआईपीएक्सआईई– 8820, एनआईपीएक्सआईई–1085, आर एफ संकेत विश्लेशक 26.5 मेट्रिक्स तक, पीएक्सआई वेक्टर विश्लेशक, एन आई यू एस आर पी तार विहीन संचार 2932, 400 मेगा हर्ट्ज 4.4 जी एच जेड, जी पी एस क्लॉक सॉफ्टवेयर रेडियोकिट, हार्डवेयर ड्राइवर, 144, 400 एवं 1200 मेगा हर्ट्ज ट्राईबैन्ड 7 इन्च वर्टिकल ऐन्टिना, ड्यूअल बैन्ड 2.4 से 2.48 तक एवं 4.9 से 5.9 जी एच जेड वर्टिकल ऐन्टिना, यू एस आर पी एम आई एम ओ सिंक एवं डेटा केविल उपलब्ध है।

यान्त्रिक अभियांन्त्रिकी विभाग के पास नेशनल इन्स्ट्रूमेन्ट का मापांक उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त लैब व्यू सॉफ्टवेयर, संगणक डिजाइन सुविधा, विन्ड टनिल, यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन शॉप एवं कार्यशाला की सुविधा उपलब्ध है। यान्त्रिक अभियांन्त्रिकी विभाग उत्पादन, टूल डिजाइन, थर्मल, एवं मेटिरियल कैरेक्ट्राईजेशन इत्यादि में शोध की सुविधा उपलब्ध है।

शोधकर्ताओं के लिए हॉल इफेक्ट सेटअप, 4 प्रोब विधि, एच ई–एन ई लेजर, सौर ऊर्जा प्रकोष्ठ, पी एच मीटर एवं कन्डकटिविटी मीटर, कार्यशाला एवं हाई स्पीड कम्प्यूटिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं। शोध सुविधाओं में सहायता हेतु अत्यधिक मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक शोध पत्रिकाएं उपलब्ध हैं जैसे आईईईई, एएसएमई, साइन्स डाइरेक्ट इत्यादि प्रमुख हैं।

03.00 कर्मचारी वृंद

03.01 शैक्षणिक कर्मचारी

क्र0 सं0	विभाग	प्राध्यापक	सहप्राध्यापक	सहायक प्राध्यापक	कुल योग
1–	सिविल अभियांत्रिकी	–	–	01	01
2–	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	–	–	03	03
3–	इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	–	–	03	03
4–	विद्युल अभियांत्रिकी	01	–	04	05
5–	यांत्रिक अभियांत्रिकी	–	01	04	05
6–	रसायनशास्त्र	–	–	02	02
7–	अर्थशास्त्र	–	–	01	01

8–	अंग्रेजी	–	–	02	02
9–	गणित	–	–	03	03
10–	भौतिकी	–	–	02	02
11–	समाज शास्त्र	–	–	01	01
	कुल योग	**01**	**01**	**26**	**28**

संकाय सदस्यों की विशेषज्ञता का विवरण

क्र0 सं0	**नाम/उच्चतम उपाधि**	**विषय विशेषज्ञता**
	प्राध्यापक	
1–	प्रो0 वी0के0 शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी
	सहप्राध्यापक	
1–	डॉ0 ए0एस0 धुन्डी	यांत्रिक अभियांत्रिकी
	सहायक प्राध्यापक – विज्ञान एवं मानविकी	
1–	डॉ0 मानवेन्द्र सिंह खत्री	भौतिकी
2–	डॉ0 इन्द्रजीत मनोहर नागपुरे	भौतिकी
3–	डॉ0 सरोज रंजन डे	रसायन
4–	डॉ0 अजय कुमार चौबे	अंग्रेजी
5–	डॉ0 (श्रीमती) रेनू भदोला डंगवाल	अंग्रेजी
6–	डॉ0 दीपक कुमार बहेरा	अर्थशास्त्र
7–	डॉ0 अनिरबन मुखर्जी	समाज शास्त्र
8–	डॉ0 कुलदीप शर्मा	गणित
9–	डॉ0 धीरेन्द्र बहादुर सिंह	गणित
10–	डॉ0 नितिन शर्मा	गणित
11–	डॉ0 पंकज कण्डवाल	रसायन
	सहायक प्राध्यापक – इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार	
12–	श्री कुमार गौरव	संचार एवं एस0पी0
13–	सुश्री घनप्रिया सिंह	सिग्नल प्रॉसेसिंग
14–	श्री सन्तोश कुमार भगत	आर0एफ0 एवं माइक्रोवेब
	सहायक प्राध्यापक – विद्युत अभियांत्रिकी	
15–	श्री प्रकाश द्विवेदी	कन्ट्रोल सिस्टम
16–	श्री विनीत पी0 चन्द्रन	पावर सिस्टम्स
17–	श्री महिराज सिंह रावत	पावर सिस्टम्स
18–	श्री सौरव बोस	पावर सिस्टम्स

सहायक प्राध्यापक – यांत्रिक अभियांत्रिकी		
19–	डॉ0 पवन कुमार राकेश	मैनुफैक्चरिंग
20–	श्री विकास कुकशाल	कैड–कैम
21–	श्री अपूर्वा मण्डल	वाईब्रेशन विश्लेषण
22–	श्री अश्विनी कुमार यादव	हीट ट्रान्सफर
सहायक प्राध्यापक – संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		
23–	सुश्री मिताली हलदर	नेट लैंग्वेज प्रोसेसिंग
24–	श्री नितिन कुमार	इमेज प्रोसेसिंग
25–	श्री महीप सिंह	नेटवर्क सुरक्षा
सहायक प्राध्यापक – सिविल अभियांत्रिकी		
26–	सुश्री स्मिता कलोनी	सिविल अभियांत्रिकी

03.02 अधिकारीगण

क्र0 सं0	पदनाम	पदों की संख्या
1–	निदेशक	01
2–	सहायक कुलसचिव	02
3–	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	01
4–	छात्र गतिविधि एवं खेल अधिकारी	01
	कुल योग	05

अधिकारियों का विवरण

क्र0 सं0	नाम	पदनाम
1–	प्रो0 एच0टी0 थोरात	निदेशक
2–	डॉ0 विनीता नेगी	सहायक कुलसचिव (लेखा)
3–	डॉ0 भोलेशंकर सिखवाल	सहायक कुलसचिव (भण्डार)
4–	डॉ0 कुलदीप सिंह	छात्र गतिविधि एवं खेल अधिकारी
5–	डॉ0 गरिमा सानामन	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

ब) गैर–शैक्षणिक कर्मचारी

तकनीकी

क्र0 सं0	पदनाम	पेबेन्ड एवं ग्रेडपे	पदों की संख्या	सामान्य	अनु0जा0	अनु0ज0जा0	अन्य पिछड़ा

							वर्ग
1–	तकनीकी सहायक	पीबी–2, रू0 4200	05	04	–	–	01
2–	प्रयोगशाला सहायक	पीबी–1, रू0 2000	01	01	–	–	–
3–	तकनीशियन	पीबी–1, रू0 2000	04	03	01	–	–
प्रशासनिक							
1–	लेखाकार	पीबी–2, रू0 4200	01	01	–	–	–
2–	अधीक्षक	पीबी–2, रू0 4200	01	01	–	–	–
3–	वरिष्ठ सहायक	पीबी–1, रू0 2400	01	01	–	–	–
4–	कनिष्ठ सहायक	पीबी–1, रू0 2000	01	01	–	–	–
सहायक कर्मचारी							
1–	मल्टीटास्किंग	पीबी–1, रू0 1800	02	02	–	–	–
	कुल योग		**16**	**14**	**01**	–	**01**

गैर शैक्षणिक कर्मचारी वृंद का विवरण

क्र0 सं0	**नाम**	**पदनाम**	**विभाग**
1–	श्री अनूप शर्मा	लेखाकार	लेखा
2–	श्री संजय भट्ट	अधीक्षक	स्थापन
3–	श्री अनन्त देव त्यागी	तकनीकी सहायक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
4–	सुश्री भावना	तकनीकी सहायक	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी
5–	सुश्री नेहा रतूड़ी	तकनीकी सहायक	भौतिकी
6–	श्री राम मोहन गुप्ता	तकनीकी सहायक	यांत्रिक अभियांत्रिकी
7–	श्री सुबिनॉय चौधरी	तकनीकी सहायक	विद्युत अभियांत्रिकी
8–	श्रीमती बीना रावत	वरिष्ठ सहायक	शैक्षणिक
9–	सुश्री रेखा रावत	कनिष्ठ सहायक	शैक्षणिक

10–	श्री अनिल भट्ट	प्रयोगशाला सहायक	रसायन विज्ञान
11–	श्री जय देव	तकनीशियन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
12–	श्री मनोज कुमार	तकनीशियन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
13–	श्री प्रदीप कुमार	तकनीशियन	विद्युत अभियांत्रिकी
14–	श्री सुमित चन्द्र सिंह रावत	तकनीशियन	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी
15–	श्री रविन्द्र कुमार	मल्टीटास्किंग	विद्युत अभियांत्रिकी
16–	श्री सन्तोष सिंह रावत	मल्टीटास्किंग	यांत्रिक अभियांत्रिकी

वर्ष के दौरान त्यागपत्र देने वाले शिक्षक एवं कर्मचारी

क्र0 सं0	नाम	विभाग	कारण
1–	सुश्री दीपिका सिपल	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त
2–	श्री मन्दीप सिंह	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त
3–	श्री पीयूश तिवारी	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त
4–	श्री ऋषभ वर्मा	इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त
5–	श्री जयराम नक्का	विद्युत अभियांत्रिकी	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त
6–	श्री पंकज कुमार	लेखा	त्यागपत्र एवं स्वयं के आग्रह पर कार्य मुक्त

03.03 सतत् शिक्षा कार्यक्रम

सतत् शिक्षा कार्यक्रम के तहत संकाय सदस्यों ने विभिन्न गोष्ठियों, सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं में भाग लिया। विवरण निम्नलिखित है–

क्र0 सं0	नाम एवं पदनाम	कार्यशाला/गोष्ठी/सम्मेलन	स्थान	दिनांक	
				से	तक
1–	प्रो0 वी0 के0 शर्मा (प्राध्यापक)	अ) डिजाइन एनालिसिस ऑफ क्वान्टम वैल इन्फ्रारेड फोटो डिटेक्टर्स	इण्डोनेशिया	02–08–13	03–08–13
		ब) शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	25–10–13	28–10–13
		स) वोसा–2014	नई दिल्ली	08–03–14	10–03–14

2–	डॉ0 मानवेन्द्र सिंह खत्री (सहायक प्राध्यापक)	शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	25–10–13	28–10–13
3–	डॉ0 इन्द्रजीत नागपुरे (सहायक प्राध्यापक)	शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	25–10–13	28–10–13
4–	डॉ0 दीपक कुमार बहेरा (सहायक प्राध्यापक)	अ) इल्यूमिनेट 2013– ए सिरीज ऑफ प्री–यूरेका बिजनेस प्लान आई0आई0टी0 बाम्बे एवं नर्चर टेलेन्ट ब) शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	श्रीनगर गढ़वाल रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	14–09–13 25–10–13	– 28–10–13
5–	डॉ0 पवन कुमार राकेश (सहायक प्राध्यापक)	अ) शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि ब) रिसेन्ट डेवलपमेन्ट इन नेचुरल फाइबर रिनफोर्स्ट कम्पोजिट्स	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड न्यूयॉर्क, यूएसए	25–10–13 08–06–13	28–10–13 12–06–13
6–	श्री विकास कुकशाल (सहायक प्राध्यापक)	मॉडलिंग एण्ड सिमुलेशन्स यूजिंग फाइनाइट एलिमेन्ट मैथड आई0आई0टी0 रूडकी	आई0आई0टी0 रूडकी	07–01–14	11–01–14
7–	श्री अश्विनी कुमार यादव (सहायक प्राध्यापक)	एक्सपेरिमेन्टल इन्वेस्टिगेशन ऑन सैगिंग विवेहियर ऑफ फुल लैन्थ पेशर ट्यूब विद गार्टर स्प्रिंग्स अन्डर लोका (एलओसीए)	आई0आई0टी0 खडगपुर	28–12–13	–
8–	सुश्री मिताली हलदर (सहायक प्राध्यापक)	इंग्लिश–हिन्दी ट्रांसलिटरेशन बाई अप्लाइंग फाइनाईट रूल्स टु डेटा बिफोर ट्रेनिंग यूजिंग स्अेटिस्टिकल मशीन ट्रांसलेशन	मकाउ, चाइना	16–12–13	18–12–13
9–	सुश्री घनप्रिया सिंह (सहायक प्राध्यापक)	वोसा–2014	नई दिल्ली	08–03–14	10–03–14
10–	डॉ0 सरोज रंजन डे (सहायक प्राध्यापक)	शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	25–10–13	28–10–13
11–	डॉ0 अनिरबन मुखर्जी (सहायक प्राध्यापक)	शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड	25–10–13	28–10–13

12–	श्री नितिन कुमार (सहायक प्राध्यापक)	अ) ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ लीनियर डिस्क्रिमिनेन्ट एण्ड लीनियर रिग्रेशन बेस्ड मैथड्स फॉर एक्सप्रेशन इनवेरियन्ट फेस रिकगनेसन्श ब) वोसा–2014	त्रिवेन्द्रम नई दिल्ली	12–03–14 08–03–14	14–03–14 10–03–14
13–	डॉ0 अजय कुमार चौबे	अ) इनहसिंग इफैक्टिवनैस ऑफ क्लासरूम टींचिंग थ्रू सॉफ्ट स्किल्स ब) भोजपुरी डायसपोरा : नरेटिवस ऑफ माइग्रेशन स)जियो–पॉलिटिकल लोकेशन्स इन एम0जी0 वासनजीज द गनी सैक	आई0आई0टी0 रूडकी पंजाबी वि0वि0 पटियाला आई0आई0टी0 इन्दौर	10–06–13 24–02–14 20–12–13	14–06–13 26–02–14 21–12–13
14–	डॉ0 रेनू भदोला डंगवाल	अ) प्रमोटिंग एक्सलेन्स इन रिसर्च एमंग एनआईटीस थ्रू ई–जर्नल्स ब) दि सैक्सुअल हरैसमैन्ट ऑफ विमिन ऐट वर्कप्लेस स) शिक्षण की समझ : प्रक्रिया एवं शिक्षण विधि	एन0आई0 टी0, वारंगल, आ0प्र0 बैंग्लौर एन0आई0 टी0 उत्तराखण्ड	12–07–13 24–02–14 25–10–13	13–07–13 25–02–14 28–10–13

04.00 शैक्षणिक कार्यक्रम

04.01 प्रस्तुत पाठ्यक्रम

स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम (बी0टेक प्रथम वर्ष)

क्र0 सं0	शाखाएं	अवधि	अनुमोदित संख्या	नामांकित संख्या
1–	सिविल अभियांत्रिकी	4 वर्ष	60	59
2–	विद्युत अभियांत्रिकी	4 वर्ष	60	47
3–	यांत्रिक अभियांत्रिकी	4 वर्ष	60	53
4–	इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	4 वर्ष	60	44
5–	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	4 वर्ष	60	50
	कुल योग		300	253

04.02 लिंग एवं जाति के आधार पर नामांकन

(अ) स्नातकपूर्व पाठ्यक्रम 2010–11

पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की कुल संख्या (सभी वर्ष)			छात्रों की कुल संख्या कॉलम 2 एवं 3 के अनुसार								
				अनुसूचित जाति			अनुसूचित जनजाति			विकलांग		
	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
प्रथम वर्ष	225	28	253	34	7	41	21	2	20	4	0	4
द्वितीय वर्ष	90	5	95	17	1	18	6	0	6	0	1	1
तृतीय वर्ष	64	6	70	07	3	10	6	0	6	1	0	1
चतुर्थ वर्ष	57	5	62	8	2	10	6	0	6	0	0	0
योग	**436**	**44**	**480**	**66**	**13**	**79**	**36**	**2**	**38**	**5**	**1**	**5**

(ब) वर्गवार एवं शाखावार छात्रों की संख्या सत्र 2013–14 में

शाखाएं	प्रथम वर्ष			द्वितीय वर्ष			तृतीय वर्ष			चतुर्थ वर्ष		
	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग
01 सिविल अभियांत्रिकी												
सामान्य	27	1	28	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अन्य पिछड़ा वर्ग	15	1	16	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अनुसूचित जाति	8	1	9	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अनुसूचित जनजाति	6	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	56	3	59	0	0	0	0	0	0	0	0	0
02 विद्युत अभियांत्रिकी												
सामान्य	23	2	25	9	1	10	11	0	11	10	1	11
अन्य पिछड़ा वर्ग	8	0	8	6	0	6	7	0	7	7	0	7
अनुसूचित जाति	9	0	9	3	0	3	3	0	3	2	0	2
अनुसूचित जनजाति	4	0	4	2	0	2	3	0	3	2	0	2
योग	44	2	46	20	1	21	24	0	24	21	1	22
03 यांत्रिक अभियांत्रिकी												
सामान्य	25	0	25	14	0	14	0	0	0	0	0	0
अन्य पिछड़ा	16	0	16	9	0	9	0	0	0	0	0	0

वर्ग												
अनुसूचित जाति	7	0	7	4	0	4	0	0	0	0	0	0
अनुसूचित जनजाति	3	0	3	2	0	2	0	0	0	0	0	0
योग	51	0	51	29	0	29	0	0	0	0	0	0
04 इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी												
सामान्य	15	8	23	6	0	6	10	1	11	5	0	5
अन्य पिछड़ा वर्ग	7	2	9	7	1	8	7	1	8	9	0	9
अनुसूचित जाति	4	3	7	4	1	5	4	0	4	3	2	5
अनुसूचित जनजाति	1	2	3	1	0	1	1	0	1	2	0	2
योग	27	15	42	18	2	20	22	2	24	19	2	21
05 संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी												
सामान्य	20	0	20	11	2	13	8	0	8	8	2	10
अन्य पिछड़ा वर्ग	8	3	11	5	0	5	8	1	9	4	0	4
अनुसूचित जाति	6	3	9	6	0	6	0	3	3	3	0	3
अनुसूचित जनजाति	4	0	4	1	0	1	2	0	2	2	0	2
योग	38	6	44	23	2	25	18	4	22	17	2	19

04.03 छात्रावास

वर्ष 2010 में स्थापित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड में वर्तमान में 05 छात्रावास की सुविधा इसके अस्थाई परिसर शासकीय तंत्र निकेतन, श्रीनगर गढ़वाल में विद्यमान है। ''घर से दूर घर'' के आदर्श वाक्य पर आधारित परिसर में उपलब्ध छात्रावासों में सभी भौतिक सुविधाऐं उपलब्ध हैं जिसे हमारे प्रशासनिक एवं सहायक कर्मचारी उचित विधि से देखभाल करते हैं। संस्थान में 700 छात्रों के लिए आवासीय सुविधाऐं उपलब्ध हैं। संस्थान में 05 पुरूष छात्रावास एवं एक महिला छात्रावास है। जिसमें 04 से 06 छात्र/छात्राओं को आरामदायक ढंग से रखा जा सकता है। छात्रावासों का विवरण निम्नलिखित है–

क्र0 सं0	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	सीटों की संख्या	छात्रावासों की क्षमता
1–	पुरूष छात्रावास 1	22	06	132
2–	पुरूष छात्रावास 2	18	04	72
3–	पुरूष छात्रावास 3	14	04	56
4–	पुरूष छात्रावास 4	36	06	216
5–	महिला छात्रावास	15	03	45

छात्रों को छात्रावासों का आवंटन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। सभी छात्रावासों में जल शुद्धि यन्त्र, कूलर, गीजर एवं टेलीफोन की सुविधा प्रदान की गई है। सभी छात्रावासों में 24 घन्टे बिजली एवं इन्टरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाती है। परिसर में निवासित छात्रों के लिए

भोजनालय की व्यवस्था उपलब्ध है जो कि सभी छात्रावासों के लिए एक है। प्रत्येक छात्र को एक कुर्सी, एक मेज, एक चारपाई एवं एक आलमारी की सुविधा दी गई है। सभी छात्रावास शैक्षणिक केन्द्र एवं खेल के मैदान के पास हैं। अतः छात्रों को खेलने हेतु पर्याप्त अवसर मिलता है। छात्रों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने हेतु एक जिमखाना की भी व्यवस्था है।

सभी छात्रावासों को मुख्य संरक्षक, संरक्षक, सह संरक्षक तथा वरिष्ठ छात्रों के समूह द्वारा प्रशासित किया जाता है। मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक छात्रावासों के वातावरण को सुचारू रूप से संचालित करते हैं। उनका मुख्य कार्य छात्रावासों की कार्यशैली, शिष्टाचार एवं उचित निर्णय लेना है जिससे कि छात्रावासों से सम्बन्धित नीतियों का निर्धारण किया जा सके।

छात्रावासों के प्रबन्धन अधिकारियों का विवरण निम्नलिखित है–

संकाय सदस्य का नाम	पद	मोबाइल नं0
डॉ0 ए0 एस0 धुन्डी	मुख्य संरक्षक एवं नियन्ता	91–9557750889
डॉ0 रेनू भदोला डंगवाल	संरक्षिका (महिला छात्रावास)	91–9557750905
डॉ0 कुलदीप शर्मा	संरक्षक (पुरूष छात्रावास)	91–9557750897
श्री अश्विनी कुमार यादव	संरक्षक (पुरूष छात्रावास)	91–9557750898
डॉ0 पंकज कण्डवाल	सहसंरक्षक (पुरूष छात्रावास)	91–9557750899
डॉ0 कुलदीप सिंह	सहायक कुलसचिव (छात्रावास)	91–9557750902

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान होने के कारण छात्र देश के सभी भागों से आते हैं। अतः छात्रावासों में सभी त्योहार जैसे– दुर्गा पूजा, गणेश उत्सव, गोकुल अष्टमी, ओणम, दिवाली, लोहड़ी, होली, गुडी–पड़वा, ईद, क्रिसमस, स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस इत्यादि छात्र–छात्राओं द्वारा धूमधाम से मनाया जाता है। इन त्योहारों की वजह से छात्रावासों में एक मित्रवत वातावरण, समूह चेतना तथा मित्रतंत्र का वातावरण रहता है। जिससे कि उनके अन्दर एक सामाजिक, सांस्कृतिक समझ उत्पन्न होती है।

04.04 छात्रवृत्ति/आर्थिक सहायता

राज्यवार छात्रवृत्ति/सहायता

वर्ष 2013–14 में प्राप्त विभिन्न छात्रवृत्तियों, वृत्तियों एवं ऋण का विवरण–

क्र0 सं0	छात्रवृत्ति का नाम	प्राप्त छात्रवृत्तियों की संख्या	प्राप्त धन	धन प्राप्ति का दिनांक	संवितरित एवं समायोजित धन
राज्यवार					
1–	समाज कल्याण विभाग पौड़ी गढ़वाल	15	5,25,000/–		5,25,000/–
		31	13,53,500/–	31–02–2014	13,53,500/–
2–	पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश	01	25,690/–	06–08–2013	25,690/–
3–	जिला कल्याण विभाग,	02	63,950/–	04–02–2014	63,950/–

	बिहार		37,450/–	25–10–2013	37,450/–
अन्य छात्रवृत्तियां					
4–	इण्डियन ऑयल शैक्षिक छात्रवृत्ति योजना	01	36,000/–	25–11–2013	36,000/–
5–	योग्यता श्रेणी छात्रवृत्ति	01	20,000/–	08–01–2014	20,000/–
6–	केन्द्रीय विभाग छात्रवृत्ति	04	6,33,200/–	10–05–2013	6,33,200/–

04.05 खेल

- संस्थान ने 2014 में अन्तर राप्रौसं खेल सम्मेलन में 9 फरवरी से 12 फरवरी 2014 तक त्रिची में भाग लिया। कुल 9 छात्रों ने बैडमिन्टन एवं शतरंज में भाग लिया।
- फुटबॉल, बॉलीबाल, कैरम, बैडमिन्टन की टीमों ने राष्ट्रीय स्तर के खेल उत्सव में भाग लिया जिसे जीबीपीयू, पंतनगर में 25 से 27 अक्टूबर, 2013 को आयोजित किया।
- संस्थान की क्रिकेट टीम नें स्थानीय क्रिकेट टूर्नामेन्ट में 3 मैच जीते।
- संस्थान ने अन्तर संस्थान स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेन्ट का आयोजन 23 नवम्बर से 1 दिसम्बर 2013 तक किया।
- शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी वृंद के बीच एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।
- अलकनन्दा नदी में छात्रों एवं कर्मचारी वृंद के लिए रिवर राफ्टिंग का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 215 छात्र एवं 40 संकाय सदस्यों ने भाग लिया।
- संस्थान ने ऑली में साहसिक यात्रा का आयोजन किया जिसमें 75 छात्र एवं 30 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- अन्तर संस्थान गतिविधियां जैसे बॉलीबाल, कैरम, बैडमिन्टन, टेबिल टैनिस एवं क्रिकेट मैचों का आयोजन छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए वर्ष भर समय–समय पर किया जाता है।

04.06 सम्मान एवं पुरस्कार

प्रत्येक शाखाओं में उच्चतम संचित कोटी अंक औसत (CGPA) प्राप्त करने वाले को छात्रों को शैक्षिक उत्कृष्टता पुरस्कार की स्थापना की गयी है। इस पुरस्कार में पदक एवं प्रमाण पत्र दिया जाता है।

05.00 अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां

05.01 शोध कार्यक्रम– वर्तमान में

राप्रौसं उत्तराखण्ड ने वसन्त 2014 से सभी शाखाओं में पीएचडी कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वर्तमान में सात छात्र पीएचडी कार्यक्रम में नामांकित हैं। छात्रों का विवरण, उनके विभाग एवं पर्यवेक्षकों के नाम निम्नलिखित हैं–

यान्त्रिक अभियांत्रिकी विभाग–

- ✓ श्री नितेश कुमार राजपूत
  पर्यवेक्षकः डॉ0 ए एस धुण्डी, सह प्राध्यापक

- ✓ श्री मनोज कुमार गुप्ता
  पर्यवेक्षकः डॉ0 पवन कुमार राकेश, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष

विद्युत अभियान्त्रिकी विभाग

- ✓ श्री प्रदीप सागर
  पर्यवेक्षकः प्रो0 वी के शर्मा, प्राध्यापक

विज्ञान एवं मानविकी विभाग

विषयः भौतिकी

- ✓ सुश्री शिवानी अग्रवाल
  पर्यवेक्षकः डॉ0 मानवेन्द्र सिंह खत्री, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
- ✓ सुश्री दीपशिखा पैन्युली
  पर्यवेक्षकः डॉ0 इन्द्रजीत मनोहर नागपुरे, सहायक प्राध्यापक

विषयः गणित

- ✓ श्री संदीप बिष्ट
  पर्यवेक्षकः डॉ0 कुलदीप शर्मा, सहायक प्राध्यापक

विषयः अंग्रेजी

- ✓ श्री जो फिलिप
  पर्यवेक्षकः डॉ0 रेनू भदोला डंगवाल, सहायक प्राध्यापक

05.02 वर्तमान अनुसंधान परियोजनाएं जो कि प्रक्रियान्तर्गत हैं

क्र0 सं0	संकाय सदस्य का नाम	विभाग एवं विषय	शीर्षक
1–	डॉ0 दीपक कुमार बहेरा	विज्ञान एवं मानविकी विभाग अर्थशास्त्र	इकोनमिक ग्रोथएण्ड फीमेल पार्टिसिपेशन इन उत्तराखण्डः ए स्ट्डी ऑफ टू डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ गढ़वाल एण्ड कुमायूं डिविजन
2–	डॉ0 कुलदीप शर्मा	विज्ञान एवं मानविकी विभाग गणित	न्यूमेरिकल सिमूलेशन ऑफ नॉनलिनियर फ्रोकल्योर मॉडल्स इन 2– डी पीजोइलेक्ट्रिक/माइग्नोइलेक्ट्रोलास्टिक मीडिया यूजिंग एक्स–एफ ई एम
3–	डॉ0 नितिन शर्मा	विज्ञान एवं मानविकी विभाग गणित	मैथामैटिकल एण्ड कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग ऑफ इन्फेक्शीस डिजीज
4–	डॉ0 सरोज रंजन डे	विज्ञान एवं मानविकी विभाग रसायन	स्वीचेबल रेजी कन्ट्रोल इन द सिन्थेसिस ऑफ फ्यूज्ड पोल्यारल कम्पाउन्ड्स वाया न्यूक्लीयोफिलिक एडिसन टू सिलिलबेनजाइन्स
5–	डॉ0 पंकज कण्डवाल	विज्ञान एवं मानविकी विभाग रसायन	रिमूबल ऑफ हैजार्ट्स कन्टामिनेन्टस फ्रॉम द इन्ड्सट्रीयल वेस्ट स्ट्रीम्स बाई हालोफाइबर सपोर्टेड

			लिकविड मेम्ब्रेन्स (एचएफएसएलएम) टेकनीक
6–	डॉ0 धीरेन्द्र बहादुर सिंह	विज्ञान एवं मानविकी विभाग गणित	न्यूमेरिकल एण्ड एनाविटीकल स्ट्डीज ऑफ क्वेसीलिनियर हाइपरबोलिक सिस्टम ऑफ पार्सल डिफरेंसिलय इक्वेशन्स विद अप्लीकेशन
7–	डॉ0 मानवेन्द्र सिंह खत्री	विज्ञान एवं मानविकी विभाग भौतिकी	फैब्रिकेशन एण्ड केरेक्ट्राईजेशन ऑफ को–रिचCoPtP/Pt मल्टीसेगमेन्ट फेरोमेगनेटिक नैनोवायर्स
8–	डॉ0 इन्द्रजीत मनोहर नागपुरे	विज्ञान एवं मानविकी विभाग भौतिकी	प्रीप्रेशन ऑफ न्यू फास्फोरस फॉर ओएसएल डौसीमेट्री अप्लीकेशन्स
9–	डॉ0 अनिरबन मुखर्जी एवं डॉ0 विनीता नेगी	विज्ञान एवं मानविकी विभाग समाजशास्त्र	इम्पॉवर 100 विमिन विद रूरल टैक्नोलौजी इन हिलीरिजन ऑफ डिस्ट्रिक्ट पौड़ी गढ़वाल
10–	डॉ0 अजय कुमार चौबे	विज्ञान एवं मानविकी विभाग अंग्रेजी	कम्यूनिकेशन स्ट्रेटजीजः ए नोट ऑन हायर एजूकेशनल इन्स्टीट्यूशन्स एण्ड कॉरपोरेट ऑर्गनाईजेशन्स विद रिफरेन्स टू गवर्नमेन्ट एण्ड नॉन–गवर्नमेन्ट ऑर्गनाईजेशन्स इन उत्तराखण्ड
11–	डॉ0 रेनू भदोला डंगवाल	विज्ञान एवं मानविकी विभाग अंग्रेजी	डिवेलिपिंग न्यू अप्रोच टू इन्प्रूफ इंग्लिश कम्यूनिकेशन ऑफ स्टूडेन्स ऑफ इन्जीनियरिंग कॉलेजेस इन उत्तराखण्ड
12–	प्रो0 वी0 के0 शर्मा	विद्युत अभियांत्रिकी कम्प्यूटर बेस्ड मशीन डिजायनिंग	डिटेक्शन ऑफ इक्सेन्ट्री सिटी एण्ड अदर इलेक्ट्रीकल मेकेनिकल फॉल्ट्स इन थ्री फेज स्क्वीरल केज इन्जक्सन मोटर यूजिंग एफईएम एण्ड ऐनालेसिस ऑफ डिजायन ऑप्टीमाइजेसन
13–	श्री नितिन कुमार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	एन आई टी यूके– पाई फेस रिकोग्नेशन डाटा बेस
14–	श्री अश्विनी कुमार यादव	यान्त्रिक अभियांत्रिकी	फ्रेगमेन्टेशन ऑफ मोल्टेन जेट इन कूलेन्ट एण्ड इनफ्लूयन्स ऑफ ऑब्सटक्सन ऑफ जेट ब्रेकअप
15–	डॉ0 पवन कुमार राकेश	यान्त्रिक अभियांत्रिकी	मशीनिंग करेक्ट्रिक्स ऑफ नेचुरल फाइबर रिनफोर्स्ड प्लास्टिक लेमिनेट्स
16–	डॉ0 इन्द्रजीत मनोहर नागपुरे	विज्ञान एवं मानविकी विभाग भौतिकी	सिन्थेसिस एण्ड डेवलपमेन्ट ऑफ पॉलिमर कम्पाउन्ड्स फॉर ऑर्गेनिक लाइट ए मिटिंग डीयोट अप्लीकेशन्स

05.03 प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श (एसआरआईसी)

शैशवावस्था अवस्था में होने के कारण संस्थान क्षेत्र के औद्योगिक संगठनों तक पहुंचने के लिये प्रयत्नरत है। दिशा–निर्देश, नियमावली इत्यादि अभी योजनान्तर्गत है।

06.00 प्रशासनिक एवं सांविधिक समितियां

06.01 बोर्ड ऑफ गवर्नस

श्री भास्कर भट — अध्यक्ष
प्रबन्ध निदेशक
टाइटन इंडस्ट्रीज, बैंगलूरू

प्रो0 एच0 टी0 थोरात — सदस्य
निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड

श्रीमतो अमिता शर्मा (आईएएस) — सदस्य
अपर सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय

श्री योगेन्द्र त्रिपाठी — सदस्य
वित्त–सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय

प्रो0 प्रदिप्तो बेनर्जी — सदस्य
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

प्रो0 एस0 सी0 लक्कड़ — सदस्य
सेनानिवृत्त उपनिदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई

प्रो0 गीता निम्बसन — सदस्य
प्राध्यापक, समाजशास्त्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

प्रो0 वी0 के0 शर्मा — सदस्य
प्रोफेसर, शिक्षक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड

डॉ. ए0 एस0 धुण्डी — सदस्य
सह–प्राध्यापक, शिक्षक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड

06.02 वित्त समिति

श्री भास्कर भट — अध्यक्ष
प्रबन्ध निदेशक
टाइटन इंडस्ट्रीज, बैंगलूरू

प्रो0 एच0 टी0 थोरात — सदस्य
निदेशक, एनआईटी उत्तराखण्ड

प्रो0 प्रदिप्तो बेनर्जी — सदस्य
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की

प्रो0 एस0 सी0 लक्कड़ — सदस्य
सेनानिवृत्त उपनिदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई

श्री नवीन सोइ — सदस्य
निदेशक, वित्त
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री आर0 श्रीनिवासन — सदस्य
निदेशक (तकनीकी अनुभाग)

06.03 भवन निर्माण समिति

प्रो0 एच0 टी0 थोरात — अध्यक्ष
निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड

श्री नवीन सोइ — सदस्य
निदेशक, वित्त
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

श्री आर0 श्रीनिवासन — सदस्य
निदेशक (तकनीकी अनुभाग)

डॉ0 विनय पंत — सदस्य
उपाध्यक्ष (इलैक्ट्रिकल) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

श्री सालेक चन्द — सदस्य
अधिशासी अभियन्ता, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की

प्रो0 एम0 एन0 विलादकर — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की

प्रो0 वी0 के0 शर्मा — सदस्य
प्रोफेसर, शिक्षक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड

06.04 अधिशासी सभा (सीनेट)

प्रो0 एच0 टी0 थोरात — अध्यक्ष
निदेशक, एनआईटी, उत्तराखण्ड

प्रो0 टी0 सी0 काण्डपाल — सदस्य
प्राध्यापक, ऊर्जा अध्ययन केंद्र,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

प्रो0 रश्मि गौर
प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष विज्ञानेतर विशय, — सदस्य
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की

प्रो0 आर0 बी0 देशमुख — सदस्य
प्राध्यापक, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग,
वी0एन0आई0टी0 नागपुर

प्रो0 वी0 के0 शर्मा — सदस्य
प्राध्यापक, शिक्षक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड

डॉ0 ए0 एस0 धुण्डी — सदस्य
सह–प्राध्यापक, शिक्षक प्रतिनिधि, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड

07.00 अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं विकलांग छात्रों के लिए रियायतें

07.01 छात्रों के लिये रियायतें

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं विकलांग छात्रों की रियायतों के लिए भारत सरकार की नीतियों को अपनाया जाता है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए संस्थान के पुस्तकालय में पुस्तक कोष की व्यवस्था है।

07.02 कर्मचारियों के लिये रियायतें

रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड के कर्मचारियों के लिए भारत सरकार की नीतियों को अपनाया जाता है। तद्नुसार, रियायतें एवं सुविधायें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग को प्रदान की जाती है।

08.00 वित्तीय स्थिति

08.01 संस्थान उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से योजनागत एवं गैर योजनागत अनुदान प्राप्त करता है। लेखों का लेखापरीक्षण, भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक द्वारा वार्षिक आधार पर किया जाता है।

08.02 विगत 3 वर्षो की आय एवं व्यय का विवरण निम्नलिखित है–

Years	2011-12	2012-13	2013-14
Opening Balance	3,10,19,497	38,15,399	4,98,28,518
Total Grant Received	0	13,60,00,000	37,00,00,000
Expenditure	2,72,04,098	9,07,75,060	34,83,74,075
Unspent	38,15,399	4,90,40,339	7,14,54,443

09.00 केन्द्रीय सुविधाएं एवं सेवाएं

09.01 संगणक केन्द्र

संस्थान में केन्द्रीय सुविधाओं से युक्त एक संगणक केन्द्र है जो कि इन्टरनेट सुविधा से युक्त है। संगणक केन्द्र का उद्देश्य आधुनिक तकनीकी एवं सूचनाओं से अवगत कराना है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाले 25 संगणक है–

क्र0 सं0	विशेष विवरण	विवरण
1–	प्रोसेसर	3 जनरेशन इन्टेल आई फाइव 3.10 प्रोसेसर
2–	रैम (RAM)	4 जीबी डीडीआर 3
3–	हार्ड डिस्क	1 टीबी
4–	ग्रैफिक्स कार्ड	एएमडी रेडयन एचडी 6450
5–	संयोजकता	इन्टरनेट एवं वाई–फाई सुविधा उपलब्ध
6–	डिस्प्ले	23'' एलईडी
7–	ओपरेटिंग सिस्टम	विन्डो 8 एवं उबुन्तु 12.10 ड्यूवल बूट सिस्टम

संगणक केन्द्र शिक्षकों एवं छात्रों के लिए सुबह 8:00 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक पूरे सप्ताह खुला रहता है। परीक्षा के दौरान इस समय को बढ़ा दिया जाता है। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के शिक्षक छात्रों की सहायता एवं दिशा–निर्देश हेतु हमेशा उपलब्ध रहते हैं।

09.02 कार्यशाला

यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की कार्यशाला भी केन्द्रीय सुविधाओं से युक्त है। इस कार्यशाला में फिटिंग शॉप, कारपेन्ट्री शॉप, वेल्डिंग शॉप, शीट मेटल शॉप, मशीन शॉप इत्यादि छात्रों के प्रयोगात्मक परीक्षाओं के लिए उपलब्ध है। मशीन शॉप में लेथ मशीन, ड्रिल मशीन, सरफेस ग्राइन्डर मशीन इत्यादि छात्रों के लिए उपलब्ध हैं।

09.03 पुस्तकालय

पुस्तकालय में लगभग 28000 पुस्तकें (4800 शीर्षक) उपलब्ध हैं। इन किताबों की लागत लगभग रू0 63.36 लाख है जिनमें इस वर्ष की 12022 पुस्तकों की लागत भी शामिल है।

पुस्तकें	:	19,532
अनु0 जाति/अनु0 जनजाति छात्रों हेतु बुक बैंक	:	13,041
पत्रिकाएं (राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)	:	3,893
ई–पुस्तकें	:	26,457

वर्ष के दौरान व्यय

क्र0 सं0	विवरण	राशि (लाख में)
1–	मुद्रित पुस्तकें	10.73
2–	पुस्तक कोष	45.31
3–	ई–बुक्स एवं जर्नल्स	247.29

अन्य जानकारियाँ

- पुस्तकालय में दो कक्ष हैं।
- पाठ्य–पुस्तकों एवं सन्दर्भ पुस्तकों को विषयवार रखा गया है जो कि यूनिवर्सल दशमलव वर्गीकरण योजना के तहत है।
- पुस्तकालय खुले उपयोग विधि का अनुगमन करता है।
- संदर्भ पुस्तकें विश्वकोष, शब्दकाष, निर्देशिका, हैंडबुक एवं एटलस इत्यादि संदर्भ पुस्तकें पुस्तकालय के परिसर में अध्ययन हेतु उपलब्ध है। इन्हें निर्गत नहीं किया जाता है।
- पाठ्यपुस्तकें निर्धारित पाठ्यक्रम और अन्य पुस्तकों को छात्र एवं छात्राओं को उपलब्ध कराया जाता है।
- उपयोगकर्ताओं को विभिन्न स्वरूपों में जानकारी की उपलब्धता डिजिटल एनालॉग के माध्यम से उपलब्ध करायी जाती है। कुल 13 (3 हिंदी में + 10 अंग्रेजी में) पत्रिकाऐं पुस्तकालय में उपलब्ध हैं जो कि हमें नवीनतम घटनाओं की जानकारी प्रदान करती है।
- पुस्तकालय के बाहर 10 (5 अंग्रेजी + 5 हिन्दी) दैनिक समाचार पत्रों को पाठकों हेतु उपलब्ध कराया जाता है जिसमें 2 (1 अंग्रेजी + 1 हिन्दी) साप्ताहिक समाचार पत्र भी उपलब्ध रहता हैं।
- पुस्तकालय सत्र के प्रारम्भ में नवागत छात्रों के लिए अनुस्थापन कार्यक्रम संचालित करता है। जिससे कि छात्रों को पुस्तकालय के अधिकतम उपयोग में सुविधा हो। पुस्तकालय 'ई–मेल अर्लट सेवा' की भी सुविधा प्रदान करता है। जिससे पुस्तकों के आदान–प्रदान में छात्रों को कोई समस्या न हो एवं अभिलेख तैयार करने में सुविधा हो। वर्ष के दौरान कुल 8023 पुस्तकें छात्रों को घर पर पढ़ने के लिए निर्गत की गई।

अर्न्तपुस्तकालय ऋण

संस्थान अर्न्तपुस्तकालय ऋण की सुविधा भी प्रदान करता है। पुस्तकें जो हमारे पुस्तकालय में अनुपलब्ध हैं उसे किसी अन्य पुस्तकालय से उपलब्ध कराया जाता है।

विस्तार सेवाऐं

पुस्तकालय प्रयोगकर्ताओं के लिए विस्तार सेवाऐं उपलब्ध करवाता है जिससे कि पुस्तकालय के संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सके।

सूचना तकनीक

पुस्तकालय वाई–फाई सुविधा से युक्त है। पुस्तकालय लिबसिस फॉर सॉफ्टवेयर का प्रयोग पुस्तकालय प्रबन्धन एवं संस्थान की अर्न्तगतिविधियों हेतु प्रयोग करता है। पुस्तकालय के आंकडों को नियमित आधार पर अद्यतन किया जाता है। पुस्तकालय में बार कोडिंग की प्रक्रिया उन्नति पर है। पुस्तकालय में ओपेक (OPAC) सुविधा भी उपलब्ध है।

अंकीय पुस्तकालय

पुस्तकालय में अंकीय पुस्तकालय की सुविधा संगणक विज्ञान विभाग से नियन्त्रित की जाती है। पुस्तकालय में लगभग 26457 ई–बुक्स की सुविधा विश्वविख्यात प्रकाशकों से उपलब्ध है। इनमें मुख्यतः एलजेबियर, टाटा मैक्ग्राहिल, विली पियर्सन, एएसएनई प्रेस, आईईईई–एमआईटी प्रेस, आईईईई–विली प्रेस, स्प्रिंगर इत्यादि 24 घण्टे संस्थान में उपलब्ध है। निम्नलिखित डेटाबेस की ऑनलाईन जर्नल्स के लिये सदस्यता ली गई है–

- ASME http://asmedigitalcollection.asme.org
- IEL ऑनलाईन (आईईईई + आईईटी) http://ieeexplore.ieee.org
- Elsevier साइन्स डायरेक्ट www.sciencedirect.com

दृश्य–श्रृव्य

संस्थान में शैक्षणिक उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर वीडियो की सुविधा है जो संस्थान के एफ0टी0पी0 सर्वर के माध्यम से उपलब्ध है।

पुस्तकालय सलाहकार समिति

पुस्तकालय सलाहकार समिति में एक अध्यक्ष एवं प्रत्येक विभाग से एक संकाय सदस्य होता है जिसमें पुस्तकालयाध्यक्ष संयोजक होता है। पुस्तकालय समिति समय–समय पर नीति–निर्धारण हेतु बैठक करती है एवं कार्यशैली व पुस्तकालय संचालन की समीक्षा करती है।

नवागतों हेतु अनुस्थापन कार्यक्रम

पुस्तकालय सत्र के प्रारम्भ में नवागत छात्रों के लिए अनुस्थापन कार्यक्रम संचालित करता है। जिससे कि छात्रों को पुस्तकालय के अधिकतम उपयोग में सुविधा हो।

कार्य समय

पुस्तकालय राष्ट्रीय एवं धार्मिक महत्व (उदाहरणः गणतंत्र दिवस, होली, स्वतंत्रता दिवस, दीवाली और दशहरा) के कुछ छुट्टियाँ को छोड़कर वर्ष के सभी दिन प्रातः 8 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहता है। वितरण काउंटर 8.00 बजे से सोमवार से शनिवार तक 8.00 बजे और सभी सप्ताह के दिनों में 13:30–14:00 आधे घंटे के एक मंध्यातर के साथ रविवार को 9:00–06:00 तक कार्यरत रहता है।

सदस्यता

संस्थान के पुस्तकालय की सदस्यता सभी के लिए जैसे– छात्र, शिक्षक, शोध छात्र, अधिकारीगण एवं कर्मचारियों हेतु उपलब्ध है।

09.04 प्रयोगशालाएं

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

1. बेसिक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग प्रयोगशाला
2. विद्युत मशीन प्रयोगशाला

3. पावर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
4. मापन प्रयोगशाला
5. संरक्षण प्रयोगशाला
6. नियंत्रण प्रणाली प्रयोगशाला

प्रमुख उपकरण:

- आईडीएमटी ओवर करेन्ट रिले ट्रेनर
- ट्रांसफारमर प्रोटेक्शन ट्रेनर
- अण्डर/ओवर वोल्टेज रिले ट्रेनर
- बुकोल्ट्ज रिले ट्रेनर
- ट्रांसफारमर ऑयल टेस्टर
- ट्रांसमिशन लाइन फॉल्ट एनलाइजर
- जनरेटर प्रोटेक्शन सिस्टम ट्रेनर
- डिस्टेन्स रिले ट्रेनर
- केबिल फॉल्ट ट्रेनर
- इस्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ लीनियर सिस्टम
- रिले कन्ट्रोल सिस्टम
- आरटीडी डिमोस्ट्रशन सैटअप
- थरमोकपल डिमोस्ट्रशन सैटअप
- टॉर्क मेजरमेन्ट ट्रेनर
- लोड सैल ट्रेनर
- गति मापक ट्रेनर
- बीएलडीसी मोटर कन्ट्रोल ड्राइव्स
- स्टेपर मोटर कन्ट्रोल
- इन्वर्टेड पेण्डुलम
- एनआई उपकरण (एनआई पीएक्सआई 2503, एनआई पीएक्सआई 4330, एनआई पीएक्सआई 4071, एनआई पीएक्सआई 8102, एनआई एपीएस 410, एनआई पीएस 10, एनआई 9234, एनआई 990, सीडीएक्यू 9178)– डीएल
- मैटलैब

इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

1. लैब व्यू लैब
2. एनालॉग एवं डिजिटल संचार प्रयोगशाला
3. डिजिटल तर्क डिजाइन और डीएसडी प्रयोगशाला
4. माइक्रोप्रोसेसर प्रयोगशाला
5. कार्यशाला
6. मेटलेब
7. इलेक्ट्रॉनिक सर्किट अनुकरण प्रयोगशाला
8. अनुरूप सर्किट प्रयोगशाला
9. लीनियर इलेक्ट्रानिक सर्किट प्रयोगशाला
10. विद्युत इंजीनियरिंग

प्रमुख उपकरण

1– एनआई शैक्षिक साइट लाइसेन्स (असीमित प्रयोगकर्ता)

2– सिग्नल एण्ड सिस्टम सॉल्यूशन

अ) एलविस 2 सिग्नल एण्ड सिस्टम

ब) इमोना सिगेक्स सिग्नल एण्ड सिस्टम एक्सपेरिमेन्टर एनआई एलविश

स) एनआईपीएक्सआई– 5441 100 एमएस

3– आरएफ सिस्टम सॉल्यूशन

अ) एनआईपीएक्सआई– 5632 8.5 जीएचजेड वैक्टर नेटवर्क विश्लेशक

ब) एनआईपीएक्सआई– 8820 2.2 जीएचजेड

स) एनआईपीएक्सआई– 5632 8.5 जीएचजेड, 2 पोर्ट, डब्ल्यू/टाइम डोमेन एनालिसिस

द) एनआईपीएक्सआई– 1085, 18 स्लॉट

इ) आरएफ सिग्नल विश्लेशक (20 जीएचजेड तक)

फ) आरएफ सिग्नल विश्लेशक (26.5 जीएचजेड तक)

ज) फेज मैट्रिक्स (26.5 तक)

4– बेतार संचार साधन

अ) एनआईयूएसआरपी – 2932 400 मेगाहर्ट्स से 4.4 जीएचजेड तक, जीपीएस क्लॉक सॉफ्टवेयर रेडियो किट, टूल किट

ब) 144 मेगाहर्ट्स, 400 मेगाहर्ट्स एवं 1200 मेगाहर्ट्स वर्टीकल एन्टिना

स) ड्यूवल बैंड – 2.4 – 2.48 जीएचजेड एवं 4.9–5.9 वर्टीकल एन्टिना

द) यूएसआरपी मीमो सिंक एवं डेटा केबिल, 0.5 एम

5– आरएफ/बेतार मापन प्रयोगशाला

अ) एनआईपीएक्सआई चेसिस कन्ट्रोलर

ब) एनआईडब्ल्यू लैब फॉर लैब व्यू

स) एनआई मेजरमेन्ट फॉर मिक्स्ड वाईमैक्स

द) सैट ऑफ एन्टिना

6– डीएसपी अपलिकेशन

अ) एनआई स्पीडी 33 डीएसपी टारगेट चिप

ब) टीएमएस 320 सी 6713 डीएसके

7– इमेज प्रौसेसिंग साल्यूशन

अ) एनआई ईवीएस 1464 (विन्डोज) विन्डोज 7 दृश्य प्रणाली, गिग ई दृश्य, आईईईई 1394 वी

8– रियल टाइम डेटा एक्वीजीशन

अ) एनआई डीएक्यू

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग में कुछ विशेष उपकरण प्रयोगशालाओं में उपलब्ध हैं। जो कि निम्नलिखित हैं–

- टेरासिक अल्ट्रा डेवलपमेन्ट प्लेटफार्म
- 1 जीएचजेड स्पेक्ट्रम एनालाइजर विद ट्रेस जनरेटर

- 200 मेगाहर्ट्ज 4 चैनल डिजीटल स्टोरेज ओसिलोस्कॉप
- 100 मेगाहर्ट्ज कैथोड रे ओसिलोस्कॉप
- 30 मेगाहर्ट्ज कैथोड रे ओसिलोस्कॉप
- 10 मेगाहर्ट्ज फंक्शन जनरेटर विद 40 मेगाहर्ट्ज फिरक्वेन्सी काउन्टर
- 10 मेगाहर्ट्ज जनर्ल परपज फंक्शन जनरेटर
- 5 मेगाहर्ट्ज जनर्ल परपज फंक्शन जनरेटर
- $3^{1}/_{4}$ डिजिट टाईप डिजीटल मल्टीमीटर
- 4/8 – बिट अनालॉग से डिजीटल कन्वर्टर
- 4/8 – बिट डिजीटल से अनालॉग कन्वर्टर
- डिजीटल सिस्टम डिजाइन किट
- 4 बिट काउन्टर
- 4 बिट सिफ्ट रजिस्टर
- डिजिटल सर्किट ट्रेनर किट
- एक्सपीओ 8086 किट
- एक्सपीओ 8085/8088 किट
- एक्सपीओ 8051/8031 किट
- 8253, 8259, 8279, 8251, 8255 पेरिफरल डिवाइसेस
- 32 बिट डीएसपी डिजाइन प्लेटफार्म विद पेरिफरल्स
- मेटलैब एवं सिमुलिंक – आर 2013 ए
- डीसी मिली एमीटर (0–100 एमए)
- मूविंग क्वाइल डीसी मिली एमीटर (0–100 एमए)

मैकनिक और सिविल इन्जीरिंयग विभाग

फल्यूड मशीनन्स लैब
अपलाइड थर्मोडायनाइमिक्स लैब
मशीनन्स लैब
सालिड मशीनन्स लैब
वैलडिंग और फारमिंग लैब
मैकनिकल कार्याशाला
फल्यूड मशीनन्स लैब
हीट ट्रान्सफर लैब
थ्योरी ऑफ मशीनन्स लैब
सी0ए0डी0 प्रयोगशाला कास्टीग
इन्जीनियरिंग मशीनन्स लैब

प्रमुख उपकरण

- बरनौलीस
- लोसेस इन पाईप
- फलो मेसरमेन्ट इन वेनटूरीमीटर, औरीफीस मीटर, नोजल और रोटामीटर
- औरीफीस और माउथ पीसेस
- इमपेक्ट आफ जेट
- वोरटाइस फलो मेजरमेन्ट

- कोरीओलीस फोर्स मेजरमेन्ट
- मेटासेन्टारीक हाईट सेटअप
- वी–नोच मेजरमेन्ट
- रेनोवोड एक्सपरीमेन्ट सेटअप
- पेलटोन व्हील सेटअप
- फ्रानसीस टरबाईन सेटअप
- कपलान टरबाईन सेटअप
- सेन्टर फूयगल पम्प सेटअप
- रीसीप्रोकास्टीन्ग पम्प सेटअप
- गीयर आयल पम्प सेटअप
- फोर स्ट्रोक डीजल इंन्जन टेस्ट रीग
- टू स्ट्रोक डीजल इंन्जन टेस्ट रीग
- फोर स्ट्रोक डीजल इंन्जन रीजनरेटीव युनिट
- टू स्ट्रोक कम्प्रेशर रीग
- सीगल स्टेज कम्प्रेशर रीग
- फोर स्ट्रोक इंन्जन व्येलू टाईमिंग सेटअप
- स्टीफैन बोट्समैन सेटअप
- पीन फीन अप्रेटस
- फोर्स सरकुलेसन थ्रो पाईप
- कन्डसन थ्रो मेटल राड
- लेग्ड पाईप सेटअप
- बाईलिंग कब स्टडी सेटअप
- कुलिंग टावर सेटअप
- टूयबलर हीट एक्सचेन्जर सेटअप
- रेफ्रीजरेटर टेस्ट रीग
- एयर कन्डीसनर टेस्ट रीग
- एयर डस्ट टेस्ट रीग
- लेथ मशीन
- मीलिंग मशीन
- वुड टरनिंग मशीन
- सापर मशीन
- सरफेस मशीन
- ड्रीलींग मशीन
- युनीवरसल टेस्टटींग मशीन
- कम्पाउड पेन्डुलम सेटअप
- ट्राई–पीलर सेटअप
- स्टेटीक एन्ड डाईनामिक बैलसिंग सेटअप
- गवर्नर सेटअप
- गैरोस्कोप सेटअप
- एआरसी वेन्ड़ीग सेटअप
- स्पाट वेन्ड़ीग सेटअप
- गैस वेन्ड़ीग सेटअप

- हाइड्रालिक पनचिंग मशीन
- फलै प्रेस

कम्प्यूटर साईस और इन्जीरियंग विभाग

मैटलैब	ओरेकल 11जी लैब
सी और सी ++ लैब	जावा लैब
डाटा स्ट्रक्चर लैब	लीनक्स लैब

09.05 अस्पताल

अस्थायी परिसर में प्राथमिक सेवाओं के लिए चिकित्सालय है। स्वास्थ्य अधिकारी (संविदा पर) प्रतिदिन भाम को 6:30 से 7:30 तक उपलब्ध रहते हैं। छात्रावास में रहने वाले छात्रों के स्वास्थ्य का उचित ख्याल रखा जाता है। संस्थान का वाहन 24 घंटे निशुल्क उपलब्ध रहता है एवं चिकित्सा परीक्षण के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। आपात की स्थिति में (विशेषतः देर रात में) छात्र इस सुविधा का लाभ जिला चिकित्सालय पर जाने हेतु उठा सकते हैं।

09.06 भौतिक सुविधाएं

संस्थान के अस्थायी परिसर में भारतीय स्टेट बैंक का एटीएम उपलब्ध है। संस्थान में एक प्रेक्षक गृह भी है।

09.07 खेल सुविधांए

वॉलीबाल कोर्ट एवं बैडमिंटन कोर्ट का कार्य प्रगति पर है। छात्रों को कैरम, भातरंज, टेबिल–टेनिस आदि खेलों की सुविधायें प्राप्त है। संस्थान द्वारा छात्रों के प्रशिक्षण हेतु योग्य एवं प्रशिक्षित प्रशिक्षिकों की नियुक्ति की गई है जिससे कि छात्रों को क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबाल, टेबिल–टेनिस इत्यादि खेलने में सुविधा प्राप्त हो। संस्थान के पास एक बेडा (राफ्ट) भी है एवं विशेषज्ञों द्वारा अलकनन्दा नदी में छात्रों एवं कर्मचारियों हेतु राफ्टिंग की व्यवस्था की जाती है। इसे हम संस्थान का अनोखी विशेषता कह सकते हैं।

09.08 छात्रावास, भोजनालय एवं निवास तथा प्रशासन एवं अन्य सुविधायें

संस्थान में 4 छात्रावास 476 छात्रों के लिए एवं एक अलग महिला छात्रावास 90 छात्राओं के लिए उपलब्ध है। 3 छात्रावास खण्ड में 6 बिस्तर एवं 2 में 4 बिस्तर की व्यवस्था है। 1 स्वतंत्र भोजनालय छात्रावास में रहने वाले छात्र–छात्राओं के लिए उपलब्ध है। संस्थान में 1 शिक्षक आवास भी उपलब्ध है जो कि संस्थान से लगभग 1 किमी0 की दूरी पर है। इस आवास में 30 कमरे हैं जिसमें अच्छी तरह से रहा जा सकता है। शिवालिक की पहाड़ियों की गोद में स्थित स्टाफ छात्रावास सभी आधुनिक सुविधाओं जैसे– जल शुद्धि यन्त्र, कूलर, गीजर एवं सुरक्षा व्यवस्थाऐं आदि मौजूद हैं।

10.00 उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

अ) शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण एवं प्रकाशन

शैक्षणिक वर्ष 2013–14 संकाय सदस्यों के लिये फलदायक रहा। कुछ मुख्य उपलब्धियां निम्नलिखित हैं–

1– श्री मन्दीप सिंह, सहायक प्राध्यापक, इलैक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग, का शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया। विवरण निम्नलिखित है–

अ) ''माइक्रोवेब जनरेशन एनालिसिस विद हायर ऑर्डर डिस्पर्शन पैरामीटर इन टू कास्केडिड मैक जैन्डर मौडिलेटर'' इन्टरनेशनल जर्नल फॉर लाइट एण्ड इलैक्ट्रॉन ऑप्टिक्स में स्वीकृत।

ब) ''एनालिसिस ऑफ द क्रॉस टॉक इन ऑप्टिकल एम्प्लीफायर'' आईसीएसीटी जर्नल में स्वीकृत।

स) ''परफोरमैन्स ऑफ दि टैपर्ड एण्ड एमएमआई असिस्टेड स्पलीटर ऑन द बेसिस ऑफ ज्योंग्राफिकल पैरामीटर्स'' एलजेबियर जर्नल में स्वीकृत।

द) ''इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ इलैक्ट्रॉनिक्स'' में समीक्षक के रूप में चयनित।

2– डॉ0 अनिरबन मुखर्जी, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान एवं मानविकी विभाग ने ''संस्कृति की समझ'' पर 13 सितम्बर 2013 को वीएनआईटी, नागपुर में एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान से उन्हें छात्रों एवं शिक्षकों से प्रशंसा प्राप्त हुई।

3– डॉ0 दीपक कुमार बहेरा, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान एवं मानविकी विभाग के शोध पत्र प्रसिद्ध शोध पत्रिकाओं में स्वीकृत। विवरण निम्नलिखित है–

अ) दीपक कुमार बहेरा एवं आर0वी0 रमन्नामूर्ति, ''सेक्टोरल आक्यूपेशनल ट्रॉसफोरमेशन इन इण्डिया : न्यू डायरेक्शन्स एण्ड ओल्ड कर्न्सन्स'' इण्डियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनोमिक्स, 56 : 3।

ब) ''रीजनल इनबैलेन्सस एण्ड रोल ऑफ प्लॉनिंग इन इण्डिया'' जर्नल ऑफ रीजनल डिवलपमेन्ट एण्ड प्लॉनिंग, 2 : 2।

स) ''ग्रोथ एण्ड डिटरमिनेन्ट्स ऑफ इम्प्लॉयमेन्ट इन इण्डियन एग्रीकल्चर'' जर्नल ऑफ लैण्ड एण्ड रूरल स्टडीज, सेज प्रकाशन, 2014, 2 (1) : 43–55।

4– डॉ0 अजय कुमार चौबे, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान एवं मानविकी विभाग, की पुस्तक ''वी एस नायपॉल : ऐन एन्थॉलजी ऑफ 21st सेन्चुरी क्रिटिसिजम'' अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली से प्रकाशित।

5– डॉ0 इन्द्रजीत नागपुरे, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान एवं मानविकी विभाग, का निम्नलिखित योगदान है–

अ) पीपी मकूना, आईएम नागपुरे, विनय कुमार, आरई क्रून, इजे ओलिवियर, जेएच नीथलिंग, एचसी स्वार्ट एवं ओएम बीबोरवा, ''इनहॉन्स्ड यूवीबी एमिशन एण्ड एनॉलिसिस ऑफ कैपिटल स्टेट्स ऑफ Ca5(PO4)3OH:Gd3+Pr3 फासफोरस प्रिपेयर्ड बॉय कोप्रेसिपिटेशन'' जर्नल ऑफ फिजिक्स एण्ड कैमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स, 2014 में स्वीकृत।

ब) स्थायी परिसर हेतु भूमि का आवंटन

राज्य सरकार उत्तराखण्ड द्वारा रा0प्रौ0सं0 उत्तराखण्ड हेतु 125 हे0 की भूमि स्थायी परिसर हेतु सुमाडी गांव जिला पौड़ी में स्वीकृत। शिलान्यास समारोह फरवरी 2014 में माननीय मुख्यमंत्री, विधायक, राज्य एवं जनपद के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

11.00 तकनीकी संगठनों की गतिविधियाँ एवं छात्र रूचि क्लब

छात्रों के सह पाठ्यक्रम गतिविधियों के सम्वर्धन हेतु संस्थान उन्हें उचित अवसर प्रदान करता है। संस्थान का मासिक संवाद पत्र ''टैक्नॉसेवी'' तथा भित्ति पत्रिका ''थिंक टैंक'' छात्रों के लेखन भौली एवं संरचनात्मक उत्साहवर्धन हेतु प्रकाशित होता है।

संस्थान ने छात्रों के अन्तर एवं बाह्य खेलों हेतु प्रशिक्षित प्रशिक्षकों को नियुक्त किया है। भौक्षणिक वर्श 2013–14 में छात्रों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

संगीत क्लब

छात्रों के संगीत प्रतिभा को पहचानने एवं निखारने हेतु संस्थान ने एक संगीत क्लब की स्थापना की। इस क्लब में सभी संगीत वाद्ययन्त्र रखे गये हैं जिसे प्रशिक्षित संगीत शिक्षकों द्वारा संचालित किया जाता है। यह क्लब निरन्तर संस्थान में एवं संस्थान के बाहर गतिविधियों में भाग लेता है।

साहित्य (लिटरेक्टिविटी) क्लब

संस्थान के छात्रों ने साहित्य सृजन हेतु एक क्लब की स्थापना की, जिसका नाम लिटरेक्टिविटी है। इस क्लब का उद्घाटन विश्व हिन्दी दिवस 10 जनवरी 2014 को संस्थान के प्रेक्षाहगृह में आयोजित हुआ। छात्रों की छुपी हुई प्रतिभा को निखारने हेतु यह क्लब विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। यह क्लब विविध गतिविधियों जैसे– कला, निबन्ध लेखन, चित्रकला एवं चित्रकारी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

लेखा परिक्षा रिर्पोर्ट वार्षिक खाते के साथ वर्ष 2013–14

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ, शाखा कार्यालय इलाहाबाद

सत्यनिष्ठा भवन 15 –ए दयानन्द मार्ग इलाहाबाद

पत्र संख्याः स्वा0नि0(केन्द्रीय)/पृ.ले.प.–20/2014–15/ दिनांकः .12.2014.

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
माध्यमिक उच्च शिक्षा विभाग,
शास्त्री भवन,नई दिल्ली – 110001

विषयः राष्टीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर पौडी, उत्तराखण्ड के वर्ष 2013–14 के लेखों पर आधारित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

महोदय,

मै, राष्टीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखण्ड के वर्ष 2013–14 के लेखों पर आधारित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) तथा वार्षिक लेखे की प्रति अग्रसारित कर रहा हूँ।

2. कृपया सुनिश्चित करें कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं सम्बन्धित लेखे संसद के दोनो सदनो के सम्मुख प्रस्तुत हुए ।

3. कृपया पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखो को संसद के दोनों सदनों के समक्ष अन्तिम रूप से प्रस्तुत करने की तिथि भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के साथ–साथ इस कार्यालय को भी सूचित करने का कष्ट करें ।

संलग्नकः उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

- हस्ता -

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

✓ पत्र संख्याः स्वा0नि0(केन्द्रीय)/पृ.ले.प.–20/2014–15/320 दिनांकः 12.12.2014.

वर्ष 2013–14 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (अंग्रेजी) की प्रति निदेशक, राष्टीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर पौडी, उत्तराखण्ड 246 174को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है । संस्थान यदि आवश्यकता अनुभव करे तो इस प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद करवा सकता है परन्तु इस प्रतिवेदन के हिन्दी अनुवाद में निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित होना चाहिए :

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरुप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

हिन्दी अनुवाद की एक प्रति इस कार्यालय को भी प्रेषित करने का कष्ट करें ।

संलग्न : उपरोक्तानुसार ।

उपनिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)

31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष हेतु नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (भारत सरकार) का राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड के वाषिक लेखा हेतु पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन।

हमारे द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड के 31 मार्च 2014 को समाप्ति वर्ष के संलग्न संतुलन तथा वर्ष की समाप्ति के दौरान प्राप्ति व भुगतान, लेखा, आय और व्यय लेखा की जांच नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्ति व सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 19 (2), अधिनियम 2007 की धारा 22 (2) के साथ पढ़ा जाता है, के अन्तर्गत की गयी है। ये वित्तीय विवरण संस्थान की जिम्मेदारी है। इन वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षा के आधार पर राय प्रकट करना हमारी जिम्मेदारी है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में भारत सरकार के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी) के द्वारा निर्गमित टिप्पणियों में केवल लेखा प्रवंबधक से संबंधित वर्गीकरण उत्तम लेखा कार्य प्रणाली का अनुपालन, लेखा मापदंड, लेखा प्रकाशन इत्यादि का समावेश है। वित्तीय लेन–देन का संबन्ध, नियमों का अनुपालन, विधि नियम, विनियम (उपयुक्तता एवं नियमितता) एवं कार्यकुशलता–सह–उत्कृश्ठता से संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन द्वारा अलग से सूचित किया गया है।

3. हमारे द्वारा किया गया यह लेखा परीक्षण भारत में सामान्य तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षण मानकों के आधार पर किया गया है । इन मानकों के अनुसार हमने लेखा परीक्षा को इस ढ़ग से नियोजित एवं पूर्ण किया है जिससे यह तात्विक रूप से सुनिश्चित हो सके की यह वित्तीय विवरण गलत बयानों से पूर्णतः मुक्त है। इस लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में नमुना आधार पर जाँच तथा सबुत के तौर पर धनराशी का समर्थन तथा वित्तीय विवरणों में प्रदर्शन का समावेश है। लेखा परीक्षा में उपयोग किये गये लेखा, परीक्षण के सिद्वान्त, व्यवस्थापन/प्रबन्धन द्वारा बनाये गये महत्वपूर्ण आंकलन तथा वित्तीय विवरणों के सम्पूर्ण प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी सम्मिलित है । हमें पूर्णत/ विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा हमारे सोच की उचित आधार उपलब्ध कराऐगी।

4. हमारे द्वारा किये गये लेखा परीक्षण के आधार पर निम्नलिखित सूचित किया जाता हैं।

1. हमारी सर्वोत्तम एवं विश्वास के आधार पर लेखा परीक्षा प्रयोजनों के लिए आवश्यक सभी सूचनांए तथा स्पष्टीकरण हमने प्राप्त किये है।
2. इस प्रतिवेदन से संबन्धित तुलन पत्र तथा आय–व्यय लेखा व भुगतान लेखा भारत सरकार के वित मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में पाये गये है।
3. हमारे अनुसार राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अधिनियम 2007 की धारा 22 (2) के अनुरूप आवश्यक सभी लेखा पुस्तकाय तथा अन्य संबन्धित अभिलेख, संस्थान द्वारा उचित रूप से व्यवस्थित किये गये है।
4. हम आागे यह सूचित करते है।

(अ) सामान्य

(अ.1) वित्तीय वर्ष 2013–14 के लिये फर्नीचर एवं फिक्सर्च तथा कम्प्यूटर एवं पैरिफैरल मद के अर्न्तगत वर्ष 2013–14 के प्रारम्भिक अवशेष तथा वर्ष 2012–13 के अन्तिम अवशेष को ₹6.54 लाख तथा ₹45.66 लाख को मिलान करने की आवश्यकता है।

(अ.2) अस्थायी परिसर में अस्थायी निर्माण

वर्ष 2012–13 में अस्थायी परिसर में छात्रावास हेतु प्रि–फैबरिकेटड हर्टस के अस्थायी निर्माण पर ₹98.88 लाख व्यय किया गया । उक्त प्रि–फैबरिकेटड हर्टस के जीवन स्थायी भवनों की तुलना में कम है। यद्यपि इन संरचनाओं के लेखांकन हेतु किसी भी लेखा नीति को नही अपनाया गया है अतः प्रबन्धन द्वारा उक्त के लिए उचित नीति का निर्धारण किया जा सकता है।

(अ.3) खातों का प्रारूप

वित्त मत्रांलय भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों हेतु वर्ष 2001 में भारत के महालेखा परीक्षक के परामर्श से खातों की एक रूपता हेतु प्रारूप बनाये गये। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड का वार्षिक चिट्ठा तथा व्यय खातों को मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा उच्च शैक्षिणिक संस्थानों हेतु जारी खाता प्रारूप में ही तैयार किया गया है , जिसे कि भारत सरकार के महालेखा परीक्षक के परामर्श के उपरान्त अन्तिम स्वरूप दिया जाना है ।

ग्रांट–इन–ऐड

वर्ष 2013–14 में संस्थान को ₹37 करोड़ अनुदान सहायता प्राप्त हुयी। ₹4.98 करोड़ के प्रारम्भिक अवशेष को लेने के बाद कुल ₹41.98 करोड़ उपलब्ध थें जिसमें से संस्थान द्वारा ₹34.84 करोड़ का उपयोग किया गया तथा 31 मार्च 2014 को ₹7.14 करोड़ अवशेष धनराशि थी।

5. पूर्वती पैरा के अवलोकन उपारन्त, हम यह घोषणा करतें हैं कि वार्षिक चिट्ठा एवं आय व्यय खाता जो कि आख्या के साथ संलग्न है, लेखा पुस्तकों के आधार पर ही है।

6. हमारे विचार से एवं एसमे दी गयी सूचनाओं एवं व्याख्यानों के आधार पर उर्प्युक्त वित्तीय विवरण लेखा नीतियों एव विवरणों के आधार पर पढ़े जाते हैं । यह लेखा आख्या सत्य एवं निशपक्ष विवरण लेखा सिद्वान्तों के अनुसार प्रस्तुत करती है जो कि भारत में सामान्यतः रूप से स्वीकार्य है।

   अ) जहां तक, यह स्थिति राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड की तुलन पत्र कि 31 मार्च 2013 को दर्शाया गया।

   ब) जहां तक की आय एवं व्यय लेख अधिशेष पाया गया इस इस दिनांक पर समाप्त हुआ।

अनुच्छेदक

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता**
   वर्ष 2013–14 हेतु संस्थान द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षण करवाया गया है ।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता**
   संस्थान के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में कुछ कमियां जैसे लैबर सैस का ना काटा जाना, अचल संम्पति के प्रारम्भिक अवशेष में त्रुटि जोकि अनुसूची में हैं, दर्शीत होती हैं।

3. **अचल सम्मपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली**
   संस्थान द्वारा सूचित किया गया है कि वर्ष 2013–14 में अचल सम्मपित्त्यों का भौतिक सत्यापन किया गया। यद्यपि, भौतिक सत्यापन आख्या लेखा परीक्षा हेतु प्रस्तुत नही की गयी। संस्थान द्वारा यह भी सूचित किया गया की अचल संपत्तियों हेतु समयाकित रजिस्टर तैयार किये गये हैं लेकिन कोई भी अचल सम्पत्ति रजिस्टर लेखा परीक्षा हेतु प्रस्तुत नही किया गया।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन हेतु प्रणाली**
   संस्थान द्वारा वर्ष 2013–14 में वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन नही किया गया ।

5. **वैधानिक अवशेष देयों के भुगतान में नियमित्ता**
   संस्थान वैधानिक अवशेष देयों के भुगतान में नियमित है।

प्रस्तावना

यह वार्षिक वित्तीय विवरण श्री आर0पी0सिसोदिया, संयुक्त सचिव (ए&एचई), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग के डी.ओ. संख्या 8-2/2012-UIA दिनांक 07 फरवरी 2012 नए आम वित्तीय रिपोर्टिग प्रारुप के आधार पर किया गया है। आवश्यक रुप मे लेखा की नई प्रणाली के आधार पर लेखा व्यवस्थित किया गया है जो की दिनांक 01–04–2013 से लागु है।

सूची

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	**तुलन पत्र 2013–14**	48
2	**आय एवं व्यय लेखा 2013–14**	49
3	**अनुसूचियां** 1 निधि कोष	50
	2 सामान्य निधि	50
	3 नामांकित/चिन्हित कोष	51
	4 प्रतिबन्धित निधि	52
	5 लोन / उधार	53
	6 वर्तमान जिम्मेदारियां एवं प्रावधान	54&55
	7 अचल सम्पत्तियां	56
	8 निवेश	57
	9 वर्तमान सम्पत्तियां	58
	10 लोन, अग्रिम और जमा	59
	11 शैक्षणिक प्राप्तियां	60
	12 अनुदान और दान	61
	13 निवेश से आय	61
	14 अन्य आय	62
	15 कर्मचारी भुगतान और लाभ	63
	16 शैक्षणिक व्यय	64
	17 प्रशासनिक और सामान्य व्यय	65
	18 परिवहन व्यय	66
	19 मरम्मत और रखरखाव	67
	20 वित्तीय लागत	68
	21 अन्य व्यय	68
	22 खातों के लिए टिप्पणियां	69-71
4	**नगदी प्रवाह विवरण 2013–2014**	72

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
आर्थिक चिट्ठा पत्र 31 मार्च 2014

पूंजी भण्डार एवं देनदारियां	अनुसूचो	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
आय के स्रोत			
अप्रतिबन्धित निधि			
निधि कोष	**1**	139.38	15.68
सामान्य निधि	**2**	353.85	154.04
नामांकित/चिन्हित कोष	**3**	40.31	17.98
प्रतिबन्धित निधि			
योजना अनुदान	**4**	714.54	533.54
सम्पत्ति के लिए योजना अनुदान दायित्व	**4**	2951.71	592.38
ऋण एवं उधार	**5**	-	-
सुरक्षित			
असुरक्षित			
मौजूदा देनदारियां और प्रावधान	**6**	268.16	113.46
कुल		**4467.95**	**1427.08**
निधि के लिए आवेदन			
अचल सम्पत्तियां	**7**		
मूर्त सम्पत्तियां		505.26	213.58
अमूर्त सम्पत्तियां		630.11	378.80
प्रगति मे मुख्य कार्य		1816.34	-
निवेश			
दीर्घ कालिक			
अल्प कालिक	**8**	253.00	745.44
वर्तमान सम्पत्तियां	**9**	267.92	89.01
ऋण, अग्रिम और जमा	**10**	995.32	0.25
योग		**4467.95**	**1427.08**

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
आय एवं व्यय विवरण 31 मार्च 2014

(रूपये लाखों में)

ब्योरे	अनुसूचि	चालू वर्ष					पिछला वर्ष
		अप्रतिबन्धित निधि			प्रतिबन्धित निधि	कुल	
		निधि कोष	नामांकित कोष	सामान्य कोष			
आय							
शैक्षणिक प्राप्तियां	11			206.46		206.46	96.33
अनुदान और दान	12				753.83	753.83	371.02
निवेश से आय	13					-	-
अन्य आय	14			0.83		0.83	0.88
योग (अ)		0	0	207.29	753.83	961.12	468.23
व्यय							
कर्मचारी भुगतान और लाभ	15				455.53	455.53	177.48
शैक्षणिक व्यय	16				34.52	34.52	56.59
प्रशासनिक और सामान्य व्यय	17				209.97	209.97	102.72
परिवहन व्यय	18				18.64	18.64	13.52
मरम्मत और रखरखाव	19				35.17	35.17	20.71
वित्तीय लागत	20				-	-	-
अन्य ब्यय	21				-	-	-
योग (ब)		0	0	0	753.83	753.83	371.02
व्यय पर आय की अतिरिक्त सन्तुलन (अ–ब) सामान्य कोष में हस्तान्तरण						207.29	97.21
अधिशेष सन्तुलन पूंजी कोष (घाटा) सामान्य निधि में हस्तानान्तरित							
खातों के लिए टिप्पणियां	22						

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 मार्च 2014

अनुसूचि– 1 निधि कोष

(रूपये लाखों में)

ब्योरे	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष का आरम्भ मे शेष		15.68		8.58
अतिरिक्तः सामान्य कोष में योगदान	123.82		7.10	
घटानाः वर्ष के दौरान कोष में परिसम्पत्तियों का बाहरी श्रेय	(0.12)		0.00	
		123.70		7.10
वर्ष के अन्त में शेष		**139.38**		**15.68**

नोटः जो राशि पिछले वर्ष 2012–13 के वार्षिक चिट्ठे की अनुसूची 1 के पृष्ठ संख्या 3 में दिखायी गयी है।

अनुसूचि 2 सामान्य कोष

(रूपये लाखों में)

ब्योरे	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष का आरम्भ मे शेष		154.04		56.83
अतिरिक्तः निधि कोष में योगदान	214.78		97.22	
घटानाः आय और व्यय से स्थानान्तरित शुद्ध आय और व्यय का सन्तुलन	14.97		0.01	
		199.81		97.21
वर्ष के अन्त में शेष		**353.85**		**154.04**

नोटः जो राशि पिछले वर्ष 2012–13 के वार्षिक चिट्ठे की अनुसूची 1 के पृष्ठ संख्या 3 में दिखायी गयी है।

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 मार्च 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूची 3 नामांकित/चिन्हित कोष	3.01	3.02	कुल (अ)	
	छात्र गतिविधि निधि	पूर्व छात्र निधि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अ) कोष का प्रारम्भिक शेष	16.90	1.08	17.98	8.84
योग (अ)	**16.90**	**1.08**	17.98	8.84
ब) कोष के लिए अतिरिक्त				
1. दान और अनुदान	-	-	-	-
2. निवेश द्वारा कोष में आय	-	-	-	-
3. कोष में निवेश से अर्जित ब्याज	-	-	-	-
4. अतिरिक्त (निर्दिष्ट)	24.50	1.31	25.81	9.14
योग (ब)	**24.50**	**1.31**	**25.81**	**9.14**
कुल योग (अ और ब)	**41.40**	**2.39**	**43.79**	**17.98**
स) उपयोगी उद्देश्यों हेतु कोष व्यय				
1. पूंजी व्यय				
अचल सम्पत्ति	-	-	-	-
अतिरिक्त	-	-	-	-
2. राजस्व व्यय				
वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि	-	-	-	-
किराया	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	3.46	0.02	3.48	
योग	**3.46**	**0.02**	**3.48**	
योग (ब)	**3.46**	**0.02**	**3.48**	
वर्ष के अन्त में शुद्ध शेष (अ+ब-स)	**37.94**	**2.37**	**40.31**	**17.98**

नोटः जो राशि पिछले वर्ष की अनुसूची 3 (3.1) के पृष्ठ संख्या 5 में समेकित रूप से अन्य कोष के रूप में दिखायी गयी है।

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 मार्च 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 04 प्रतिबन्धित निधी	प्रतिबन्धित निधी (4.1)		कुल	
	4.01	4.02		
	योजना अनुदान	सम्पत्ति के लिए योजना अनुदान दारित्व	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
अ) कोष का प्रारम्भिक शेष	533.54	592.38	1125.92	242.69
योग (अ)	**533.54**	**592.38**	**1125.92**	**242.69**
ब) कोष के लिए अतिरिक्त				
1. दान और अनुदान	3700	-	3700	1360
2. निवेश द्वारा कोष में आय	-	-	-	25.22
3. कोष में निवेश से अर्जित ब्याज	-	-	-	-
4. अतिरिक्त (निर्दिष्ट)	7.88	2729.92	2737.80	536.73
योग (ब)	**3707.88**	**2729.92**	**6437.80**	**1921.95**
योग (अ+ब)	**4241.42**	**3322.30**	**7563.72**	**2164.64**
स) उपयोगी उद्देश्यों हेतु कोष व्यय				
1. पूंजी व्यय				
अचल सम्पत्ति	2773.05	-	2773.05	536.73
अतिरिक्त	-	370.59	370.59	130.57
योग	**2773.05**	**370.59**	**3143.64**	**667.30**
2. राजस्व व्यय				
वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि	455.53	-	455.53	371.02
किराया	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	298.30	-	298.30	-
जीपीएफ और अन्य पर ब्याज	-	-	-	0.40
योग	**753.83**	-	**753.83**	**371.42**
योग (स)	**3526.88**	**370.59**	**3897.47**	**1038.72**
वर्ष के अन्त में शुद्ध शेष (अ+ब-स)	**714.54**	**2951.71**	**3666.25**	**1125.92**

नोटः वर्ष 2012–13 के दौरान योजना अनुदान खाता रिजर्व खाते के रूप में नामित है जो कि अनुसूची 3 (3.1) के पृष्ठ संख्या 5 में दर्शाया गया है। अस्थगित क्रडिट दायित्व इस अनुसूची में संपत्ति के लिए अनुदान दायित्व के रूप में नया नाम दिया गया है। पिछले वर्ष की राशि अनुसूची 6 के पृष्ठ संख्या 7 में दिखायी गयी है।

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

अनुसूचि 5– ऋण / देनदारी

(रूपये लाखों में)

सुरक्षित ऋण	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट)				
3. वित्तीय संस्थान				
अ) अवधि ऋण				
ब) ब्याज उपार्जित एवं शेष				
4. बैंक				
अ) अवधि ऋण				
ब्याज उपार्जित एवं शेष				
ब) अन्य ऋण (निर्दिष्ट)				
ब्याज उपार्जित एवं शेष				
5. अन्य संस्थान एवं अभिकरण				
6. ऋण एवं बन्ध पत्र				
7. अन्य (निर्दिष्ट)				
योग				

असुरक्षित ऋण	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1. केन्द्र सरकार				
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट)				
3. वित्तीय संस्थान				
अ) अवधि ऋण				
ब) ब्याज उपार्जित एवं शेष				
4. बैंक				
अ) अवधि ऋण				
ब्याज उपार्जित एवं शेष				
ब) अन्य ऋण (निर्दिष्ट)				
ब्याज उपार्जित एवं शेष				
5. अन्य संस्थान एवं अभिकरण				
6. ऋण एवं बन्ध पत्र				
7. अन्य (निर्दिष्ट)				
योग				

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 6 – वर्तमान दायित्व एवं प्रावधान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
06.01 कर्मचारियों से जमा		**2.54**		
06.01.01 जीपीएफ देय	0.10			
06.01.02 डॉ0 भोले शंकर (जीपीएफ)	2.00			
06.02 छात्रों से जमा		**116.23**		71.92
06.02.01 शैक्षणिक जमा	9.14			
06.02.01 छात्रावास जमा	99.38			
06.02.01 जमानत राशि	7.71			
06.03 विविध लेनदार				
माल और सेवाओं के लिए		**4.32**		
06.03.02 सुरक्षा जमा	4.32			**0.07**
अग्रिम प्राप्ति				
06.04 प्रोदभूद ब्याज नहीं होने के कारण पर				
अ) सुरक्षित ब्याज / दायित्व				
ब) असुरक्षित ब्याज / दायित्व				
06.05 वैधानिक देनदारियां (टीडीएस, डब्लुसीटी, सीपीई, जीआईएस, एनपीएस)		**45.33**		
06.05.01 प्रान देय	38.15			
06.05.02 टीडीएस देय	7.18			
06.06 अन्य चालु देनदारियां				
वेतन				
प्रायोजित परियोजना प्राप्तियां				
प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति से प्राप्तियां				
अप्रयुक्त अनुदान				
अग्रिम अनुदान				
अन्य कोष				

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 6 वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
अन्य देनदारी		35.09		29.08
06.06.01 दासा कोष खाता	1.00			
06.06.02 सीसैब कोष खाता	0.65			
06.06.03 अग्रिम शुल्क प्राप्ति	33.24			
06.06.04 छात्रवृत्ति खाता	0.20			
योग अ		**203.51**		**101.07**
ब) प्रावधान		**64.65**		**12.39**
एडीसीसी इनफो कैड प्रा0 लि0	10.29			
सीपीडब्लु डी, श्रीनगर गढ़वाल	1.16			
व्यय देय	22.42			
वेतन देय	30.78			
योग ब		**64.65**		**12.39**
कुल योग अ+ब		**268.16**		**113.46**

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूची 7 अचल सम्पत्तियां			कुल सम्पत्तियां			मूल्यह्रास (ए.एस.6)				शुद्ध कुल सम्पत्ति	
विवरण	मूल्यह्रास %	मूल्य/वर्ष के प्रारम्भ में मूल्यांकन	वर्ष में आधिक्य	वर्ष में कटौतियां	मूल्य/ वर्ष के अन्त में मूल्यांकन (अ)	वर्ष के प्रारम्भ में	वर्ष में आधिक्य पर	वर्ष में कटौतियों पर	वर्ष के अन्त में योग (ब)	चालू वर्ष में (अ–ब)	पिछले वर्ष में
7.1 अचल सम्पत्तियां											
7.02.01 ई–बुक	50	213.58	247.29	-	460.87	106.79	51.00	-	157.79	303.08	213.58
7.02.01 सॉफ्टवेयर	40	-	397.91	-	397.91	-	70.88	-	70.88	327.03	-
योग		**213.58**	**645.20**	**-**	**858.78**	**106.79**	**121.88**	-	**228.67**	**630.11**	**213.58**
7.2 चल सम्पत्तियां											
7.01.01 भूमि		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7.01.02 भवन	05	87.10	171.02	94.98	163.14	-	0.68	-	0.68	112.46	27.10
7.01.03 प्लान्ट, मशीनरी और उपकरण	40	117.36	48.88	-	166.24	46.94	06.96	-	53.90	112.34	117.36
7.01.04 वाहन	25	-	23.11	-	23.11	-	0.48	-	0.48	22.63	-
7.01.05 फर्नीचर एवं फिक्सचर	25	48.14	32.48	-	80.62	12.04	2.69	-	14.73	65.89	48.14
7.01.06 कार्यालय उपकरण	40	2.63	-	-	02.63	01.05		-	01.05	01.58	02.06
7.01.07 कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	40	80.03	31.83	-	111.86	32.01	03.80	-	35.81	76.05	80.03
7.01.08 विद्युत स्थापन	40	1.58	-	-	01.58	0.63		-	0.63	0.95	01.58
7.01.09 पुस्तकालय किताबें	50	41.96	56.04	-	98.00	20.98	13.66	-	34.64	63.36	41.96
योग		**378.80**	**363.36**	**94.98**	**647.18**	**113.65**	**28.27**	-	**141.92**	**505.36**	**378.80**
चालु वर्ष का योग (अ)		592.38	1008.56	94.98	1505.96	220.44	150.15	-	370.59	1135.37	592.38
7.03 कार्यशील पूंजी		-	1883.34	67.00	1816.34	-	-	-	-	**1816.34**	-
बकाया (अ+ब)		**592.38**	**2891.90**	**161.98**	**3322.30**	**220.44**	**150.15**	-	**370.59**	**2951.71**	**592.38**

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

निवेश–चिन्हित/बन्दोबस्ती फण्ड अनुसूचि 8 – निवेश	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
08.01 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627540641 (एस0टी0)			100.00	
08.02 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 31516379388 (एस0टी0)			22.72	
08.03 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 31516379559 (एस0टी0)			22.72	
08.04 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627537730 (एस0टी0)			100.00	
08.05 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627609264 (एस0टी0)			50.00	
08.06 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627612007 (एस0टी0)			50.00	
08.07 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627612788 (एस0टी0)			50.00	
08.08 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32627613667 (एस0टी0)			50.00	
08.09 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32764899103 (एस0टी0)			100.00	
08.10 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32764900404 (एस0टी0)			100.00	
08.11 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 32764901838 (एस0टी0)			100.00	745.44
08.17 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 33500081679 (एन0पी0एस0)	25.00			
08.26 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 33561212386	99.00			
08.31 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 33561209839	99.00			
08.33 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 33561199375	15.00			
08.34 एफ.डी.आर. एकाउन्ट नं0 33757810443 (एन0पी0एस0)	15.00	253.00		
योग		**253.00**		**745.44**

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 09 – चालू सम्पत्तियां	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
09.01 भण्डार				
09.01.01 भण्डार और पुर्जे				
09.01.02 खुले उपकरण				
09.01.03 प्रकाशन				
09.02 विविध देनदार		**0.71**		
06 माह से अधिक अद्त देनदारियां				
अन्य				
यू0पी0 राजकीय निर्माण निगम लि0	0.71			
09.03 शेष हस्तस्थ रोकड़		**267.21**		**0.01**
09.02.01 हस्तस्थ रोकड़				
09.04 बैक शेष जमा				**89.00**
09.04.01 एस0बी0आई0 छात्रावास खाता	36.40		12.28	
09.04.02 एस0बी0आई0 पावर ज्योति खाता	121.23		10.41	
09.04.03 एस0बी0आई0 मुख्य खाता	49.58		66.32	
09.05 डाकघर बचत खाता				
कुल		**267.92**		**89.01**

नोटः पिछले वर्ष की नगदी और बैंक राशी अनुसूची 11 (11D) के पृष्ठ संख्या 12 मे दर्शायी गयी है।
पिछले वर्ष की विविध देनदारी, अनुसूची 10 (11.05 जमा) में जमा और वर्गीकृत है।

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 10 – ऋण, अग्रिम और जमा	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
10.01 कर्मचारियों के लिए अग्रिम (ब्याज रहित)		0.50		0.20
10.01.01 वेतन	-		-	
10.01.02 त्यौहार	-		-	
10.01.03 एल0टी0सी0	-		-	
10.01.04 चिकित्सा अग्रिम	-		-	
10.01.05 अन्य (वसूल अग्रिम)	05.50		0.20	
10.02 कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन अग्रिम (ब्याज रहित)		-		-
10.02.01 वाहन ऋण	-		-	
10.02.02 गृह ऋण	-		-	
10.02.03 अन्य (निर्दिष्ट)	-		-	
10.03 अग्रिम और अन्य राशि नगदी मे वसूल या वस्तु के रुप में प्राप्त		-		-
10.03.01 पूंजी खाता में	-		-	
10.03.02 आपूर्तिकर्ता से	-		-	
10.03.03 अन्य	-		-	
10.04 पूर्वदात व्यय		**0.33**		
10.04.01 बीमा				
10.04.02 अन्य व्यय	0.33			
10.05 जमा		**0.05**		**0.05**
10.05.01 सुरक्षा जमा	0.02		0.02	
05.02 दूरभाष बी0एस0एन0एल0 सुरक्षा जमा	0.03		0.03	
10.06 अर्जित आय				
10.06.01 चिन्हित/बन्दोबस्ती फण्ड मे निवेश	-		-	
10.06.02 अन्य मे निवेश	-		-	
10.06.03 ऋण और अग्रिम	-		-	
10.06.04 अन्य	-		-	
10.07 अन्य प्राप्तियां		**994.44**		
10.07.01 प्रायोजित परियोजनाओं मे डेबिट शेष	-		-	
10.07.02 फेलोशिप एवं छात्रवृत्ति मे डेबिट शेष	-		-	
10.07.03 अनुदान प्राप्तियां	-		-	
10.07.04 अन्य प्राप्तियां (योजना अनुदान प्राप्तियां)	994.44			
10.08 दावा प्राप्तियां	-		-	
योग		**995.32**		**0.25**

नोटः पिछले वर्ष के ऋण और अग्रिम विविध देनदारी अनुसूची 11अ और 11ब के पृष्ठ संख्या 12 मे दर्शायी गयी है। पिछले वर्ष की विविध देनदारी, अनुसूची 11ब के पृष्ठ संख्या 12 में वर्गीकृत है।

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 11– शैक्षिणिक प्राप्तियां	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
छात्रो से प्राप्त शुल्क				
11.01 शैक्षणिक				
11.01.01 अध्ययन शुल्क	184.83		91.35	
11.01.02 पुस्तक बैक शुल्क	04.01		0.00	
योग (अ)		**188.84**		**91.35**
11.02 परीक्षा				
योग (ब)		**0.00**		**0.00**
11.03 अन्य शुल्क				
11.03.01 सीट शुल्क	09.27		4.98	
11.03.02 अन्य छात्रावास प्राप्तियां	08.27		0.00	
11.03.03 प्रतिलिपि शुल्क	0.08		0.00	
योग (स)		**17.62**		**4.98**
11.04 प्रकाशनो का विकय	0.00		0.00	
योग (द)		**0.00**		**0.00**
योग (अ+ब+स+द)		**206.46**		**96.33**

नोटः पिछले वर्ष के विविध आय आय अनुसूची 14 और प्लान निधी अनुसूची 12 मे दर्शायी गयी है। पिछले वर्ष आय जो कि टयूशन शुल्क और सीट शुल्क जो कि अनुसूची 14 के पृष्ठ संख्या 14 मे दर्शायी गयी है।

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 12 – दान और अनुदान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
केन्द्र सरकार				
योजना अनुदान राजस्व विनियोजन		753.83		371.02
योग		**753.83**		**371.02**

नोटः पिछले वर्ष व्यय के लिये योजना अनुदान राजस्व विनयोजन अनुसूची 14 के पृष्ठ संख्या 14 मे दर्शायी है।

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 13 – निवेश से आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1. व्याज				
अ) सरकारी सुरक्षा पर				
ब) अन्य बॉड / ऋण पत्र				
2. प्राप्त आय				
अ) प्रत्येक का अलग कोष				
3. उपार्जित आय				
अ) प्रत्येक का अलग कोष				
4. अन्य (निर्दिष्ट)				
योग				
निर्धारित बन्दोबस्ती कोष मे स्थानान्तरण				

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 14 अन्य आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
14.01 भवन और भूमि से प्राप्त आय		-		
14.02 संस्थान के प्रकाशन से विकय		-		
14.03 उत्सव त्योहारों से प्राप्त आय		-		
14.04 सावधि जमाओं से व्याज		-		
14.05 बचत खातों से व्याज		-		
14.06 ऋणों से व्याज		-		
14.07 देनदारों और अन्य प्राप्तियों से व्याज		-		
14.08 अन्य		**0.83**		**0.88**
18.02 विविध प्राप्तियां			0.01	
14.08.01 विविध आय	0.31		0.04	
14.08.02 संस्थान अन्य आय (उपव्यय)	0.05			
14.08.03 आर0टी0आई0 शुल्क				
14.08.03 निविदां शुल्क	0.12			
14.08.01 विक्रेता पंजीकरण	0.19		0.83	
14.08.01 पी0एच0डी0 आवेदन शुल्क	0.16			
योग		**0.83**		**0.88**

नोटः पिछले वर्ष के विविध आय अनुसूची 14 के पृष्ठ संख्या 14 मे दर्शायी गयी है।

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 15– कर्मचारी भुगतान और लाभ	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
15.01 वेतन और मजदूरी		**321.69**		**121.10**
15.01.01 शैक्षणिक कर्मचारी के वेतन	249.35		89.26	
15.01.01 गैर–शैक्षणिक कर्मचारी के वेतन	72.34		31.84	
15.02 भत्ते और बोनस				
15.03 भविष्य निधि में योगदान				
15.03 अन्य निधि में योगदान				
15.04.01 कर्मचारीयों का एन0पी0एस0 में योगदान		**19.07**		
15.05 कर्मचारी कल्याण मे खर्च		**1.36**		
15.06 सेवानिवृति और सेवांत लाभ				
15.07 एल0टी0सी0 लाभ				
15.07 चिकित्सा लाभ				
15.08.01 चिकित्सा और औषधालय		**4.32**		
स्वास्थ्य सेवा मे खर्च				**1.85**
15.09 बच्चों का शिक्षा भत्ता		**0.78**		
15.10 मानदेय		**0.00**		**0.00**
15.11 टी0ए0 / डी0ए0 खर्च		**0.00**		**0.00**
15.12 अन्य		**108.31**		**54.53**
15.12.01 सुरक्षा सेवा	49.65		25.58	
15.12.02 सफाई और रख–रखाव	45.21		28.95	
15.12.03 संचयी व्यावसायिक विकास भता (सी0पी0डी0ए0)	13.45		0.00	
योग		**455.53**		**177.48**

नोटः निदेशक वेतन और छुट्टी वेतन अंशदान संकाय वेतन के तहत जमा किया गया है। स्वास्थ्य देखभाल की पिछले वर्ष की राशि अनुसूची 21 (21.06) के पृष्ठ संख्या 20 मे वर्गीकृत किया गया है।

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 16– शैक्षणिक खर्च	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
16.01 प्रयोगशाला खर्च		**2.30**		
16.01.01 प्रयोगशाला उपभोज्य	2.30			**3.26**
16.02 क्षेत्र कार्य और भागीदारी				
16.03 संगोष्ठी और कार्यशाला		**24.36**		
16.03.01 संगोष्ठी और संक्षिप्त कोर्स/ प्रेरण कार्यक्रम	24.36			
16.04 संकाय आगंतुक को भुगतान				
16.05 परीक्षा		**0.35**		
16.06 छात्र कल्याण खर्च		**1.12**		**8.73**
16.06.01 फेशर्स स्वागत	0.54			
16.06.02 खेल–कूद उपभोज्य	0.58			
21.09 छात्र सुख–सुविधाऐं		**2.73**		
21.09 पाठ्क्रम विकास		**6.00**		
16.07 दाखिला खर्च				
16.08 दीक्षांत खर्च				
16.09 प्रकाशन				
16.10 वृतिका				
16.11 अंशदान खर्च				
16.12 अन्य शैक्षणिक खर्च		**6.39**		**44.60**
16.12.01 विस्तार व्याख्यान	5.95		44.60	
16.12.02 मान्यता सम्मेलन	0.17			
16.12.03 रियायत	0.27			
योग		**34.52**		**56.59**

नोट 1: पिछले वर्ष की शेष धनराशी अनुसूची 21 के पृष्ठ संख्या 19 एवं 20 पर दर्शायी गयी है।
नोट 2: अनुसूची 16,17 और 19 मे वर्गीकृत खर्चे पिछले वर्ष मे अनुसूची 21 मे दर्शायी गयी है। (अन्य प्रशासनिक खर्चे)

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 17– प्रशासनिक और सामान्य खर्च	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
17.01 बिजली और शक्ति		**10.82**		**15.50**
17.02 जल शुल्क		**0.40**		**0.52**
17.03 बीमा		**0.25**		
17.04 किराया दरें और कर		**0.07**		
17.05 डाक/कूरियर		**0.65**		
17.06 टेलीफोन और इनटरनेट		**46.92**		
17.06.01 लीज्ड लाईन	42.39		8.42	
17.06.02 टेलीफोन शुल्क	4.53		2.31	
17.07 मुद्रण और लेखन सामाग्री		**8.87**		**2.80**
17.07.01 कम्प्यूटर उपभोज्य	3.00		1.41	
17.07.02 मुद्रण और लेखन सामाग्री	5.87		1.39	
17.08 यात्रा और वाहन		**29.03**		**11.35**
17.09 कार्यशाला/संगोष्ठी मे खर्च				
17.10 आतिथ्य		**3.73**		**1.74**
17.11 लेखा परिक्षक पारिश्रामिक				**0.15**
17.12 व्यावसायिक प्रभार		**5.05**		
17.13 विज्ञापन और प्रचार		**38.48**		**12.87**
17.14 पत्र और पत्रिकाऐं		**0.59**		**0.35**
17.15 अन्य		**12.59**		**46.71**
17.15.01 एन0आई0टी0 पारगमन ग्रह	2.50			
17.15.02 बैक शुल्क	0.06		0.44	
17.15.03 अतिथि ग्रह शुल्क	2.33		4.48	
17.15.04 अन्य उपभोज्य	0.49			
17.15.05 विविध खर्च	1.58		2.88	
17.15.06 बोर्ड और समिति बैठक	5.63		1.63	
21.08 अन्य खर्च			35.62	
21.11 मामूली उपकरण			1.16	
21.01.09 आकस्मिकता			0.50	
17.15 स्टाफ भर्ती		**45.52**		
योग		**209.97**		**102.72**

नोट 1: वर्ष 2012–13 के पृष्ठ संख्या 19 और 20 के अनुसूची 21 में पिछले वर्ष की धनराशी पायी गयी।
नोट 2: अनुसूची 17, 18 और 19 मे वर्गीकृत खर्चो को पिछले वर्ष की अनुसूची 21 मे दर्शाया गया है। (अन्य प्रशासनिक खर्चे)

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

अनुसूचि 18– परिवहन खर्च

(रूपये लाखों में)

विवरण	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
18.01 वाहन (शैक्षिणक संस्थान द्वारा स्वामित्व)		**0.14**		
18.01.01 वाहन रखरखाव	0.14			
18.02 वाहन किराये/लीज पर		**18.50**		**13.52**
18.02.01 हायरिंग	18.50		13.52	
योग		**18.64**		**13.52**

नोट 1: वर्ष 2012–13 के पृष्ठ संख्या 19 और 20 के अनुसूची 21 में पिछले वर्ष की धनराशी पायी गयी।
नोट 2: अनुसूची 17, 18 और 19 मे वर्गीकृत खर्चो को पिछले वर्ष की अनुसूची 21 मे दर्शाया गया है। (अन्य प्रशासनिक खर्चे)

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 19– मरम्मत और रखरखाव	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
19.01 भवन		30.96		16.48
19.01.01 भवन शुल्क	26.02		8.32	
19.01.02 सिविल रखरखाव	0.88		0.06	
19.01.03 विद्युतीय रखरखाव	1.86		2.78	
19.01.04 छात्रावास रखरखाव	0.45		1.97	
19.01.05 अन्य रखरखाव (सीवेज और वाटर पंप)	1.75		3.35	
19.02 फर्नीचर और फीक्चर				0.04
19.03 संयत्र और मशीनरी		3.19		3.64
19.03.01 डीजल, पेट्रोल और तेल	2.81		2.83	
19.03.02 छात्रावास उपकरण रखरखाव	0.21		0.75	
19.03.03 वाटर कूलर/ए0सी0 रखरखाव	0.17		0.06	
19.04. कार्यालय उपकरण		1.02		0.55
19.04.01 कम्प्यूटर रखरखाव	1.02		0.36	
21.02.07 छोटे उपकरण मरम्मत और रखरखाव			0.19	
19.05 सफाई सामग्री और सेवा				
19.06 अन्य				
योग		**35.17**		**20.71**

नोट 1: वर्ष 2012–13 के पृष्ठ संख्या 19 और 20 के अनुसूची 21 में पिछले वर्ष की धनराशी पायी गयी।
नोट 2: अनुसूची 17, 18 और 19 मे वर्गीकृत खर्चो को पिछले वर्ष की अनुसूची 21 मे दर्शाया गया है। (अन्य प्रशासनिक खर्चे)

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
बैलेंस शीट का हिस्सा बनाने के लिए अनुसूची 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 20– वित्त लागत	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
अ) तय ऋणों पर ब्याज				
ब) अन्य ऋणों पर ब्याज				
स) बैक शुल्क				
द) अन्य (निर्दिष्ट)				
योग		-		-

(रूपये लाखों में)

अनुसूचि 21– अन्य खर्च	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
अ) संदिग्ध और बुरे ऋणों के लिए प्रावधान/अग्रिम				
ब) अप्रतिलभ्य बकाया				
द) अन्य (निर्दिष्ट)				
योग		-		-

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
आय एवं व्यय की अनुसूची का भाग वर्ष 31 मार्च 2014

अनुसूची 22–महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

सामान्यः मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशेा का अनुपालन करते हुए श्री आर0पी0 सीसोदिया, संयुक्त सचिव, (ए0 & एच0ई0) द्वारा डी0ओ0 संख्या. 8-2/2012-UIA दिनांक 07 फरवरी 2012 रिपोटिंग के रुप मे नई लेखा प्रणाली को लागू किया गया और अनुसूचीयों का अपनाया गया हैं। इसलिए पिछले वर्ष के कुछ व्यय और प्राप्तियो की अनुसूचीयों को पुनर्निर्मित किया गया है। प्रत्येक अनुसूची में पिछले डाटा के सन्दर्भ के लिए सम्बन्धित टिप्पणियां बनायी गयी है।

1. **लेखा पद्धति**
   वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत पद्धति एवं भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के आधार पर तैयार किया जाता है। खाते प्रोद्भवन विधि से संचालित किये जाते है।
2. **राजस्व मान्यता**
   अ) प्राप्त शुल्कों का विवरण प्रत्येक दिन के आधार पर किया जाता है।
   ब) जमा आधार पर ब्याज के रूप में प्राप्त आधार पर हिसाब किया जाता है।
   स) सहायता अनुदान पूंजी और राजस्व मान्यता प्राप्त प्रयोजना के लिए प्राप्त है जिसका निर्धारित निधि के रूप में लेखा–जोखा है।
3. **अनुदान सहायता**
   अनुदान जीएफआर 211 एवं 212 (1) टिप्पणी 2 के तहत् मंजूर किया जाता है जिससे हम सम्पतियो को रख–रखाव राजस्व के उद्देश्य से कर सकें। अचल सम्पतियों अधिग्रहण के लिये संबंधित किया जाता है और उसे वित्तीय विवरण में प्रस्तुत किया जाता है। सम्पतियों को मूल्य अनुदान योजना में स्थगित क्रेडिट दायित्व में लेखांकित किया जाता है। संचालन एवं रख–रखाव पर किये गये व्यय को आय एवं व्यय में रेखांकित किया जाता है।
4. **अचल सम्पत्तियाँ**
   अचल संपत्तियों का सकल मूल्यांकन लेखा मानक 10 (ए एस–10) के अनुसार किया जाता है।
5. **विमूल्यन**
   ह्रास को लेखा मानक 6 (ए एस–6) लेखा विधि एवं ऐतिहासिक मूल्य के अनुसार प्रदान किया जाता है। विमूल्यन को सम्पतियों के मूल्य (ए एस–6) के अनुसार किया जाता है। ब्याज का प्रतिशत अनुसूची 8 में प्रत्येक संम्पति के समक्ष दिया गया है। विमूल्यन मूल्य को स्थगित क्रेडिट दायित्व में स्थानांतरित किया जाता है। अतः विमूल्यन का प्रभाव इस वर्ष शून्य है।
6. **निवेश**
   संस्थान में अस्थायी धन को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार निवेश किया है। निवेश मूल्य पर आधारित है।

7. प्रासंगिक देनदारी

कोई महत्वपूर्ण प्रासंगिक देयता नही है, इसलिए प्रासंगिक देयता के अनुसार कोई प्रावधान नहीं है।

8. निधि कोष

इस निधि को बंदोबस्ती फंड के रूप में शुल्क की पूंजी से सर्जित किया जाता है एवं अन्य निर्दिष्ट एवं अतिरिक्त कोष में रखा जाता है। इस कोष को निर्देशानुसार प्रशासित किया जाता है। पिछले वर्ष निधि कोष में अनुसूचि का हिस्सा बनने गया था और अब नए प्रारूप में अनुसूचि 1 के तहत दिखाया गया है।

9. सामान्य कोष

वर्ष का अधिशेष आय और व्यय सामान्य कोष मे दिखाया और स्थानान्तरित किया गया है।
पिछले वर्ष मे इस पूंजी निधि के रुप मे नामित किया गया हैं।

10. नामित/बंदोबस्ती कोष

(अ) यह कोष छात्रो के क्रिया–कलाप के शुल्क से प्राप्त किया जाता है।

(ब) जो शुल्क हमें छात्रों से प्राप्त होता है उसे "अन्य कोष" के तहत लेखांकित किया जाता है एवं उसे निर्धारित कोष कहा जाता है।

11. योजना अनुदान

सहायता अनुदान निधि सम्पत्ति, सामान्य गतिविधियो, और वेतन के लिए अनुदान के रुप मे मंजूर की गयी है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को बढावा देने के लिए विभाजित की गयी हैं। इसलिए निधी का लेखा जोखा स्वीकृत और वर्गीकृत है। इस अनुदान का व्यय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति छात्रो की संख्या के अनुसार विभाजित है। इस प्रकार वेतन और सामान्य निधि विभाजित और दर्शाया गया है और आय व्यय लेखा और योजना अनुदान खाते का समन्वय कर दिया गया। इसी प्रकार योजना अनुदान खाते का अधिग्रहण कर परिसम्पत्ति खाते में स्थानन्तरित कर दिया गया है। बाकी शेष राशि को अधिशेष या कमी को संकेतिक रुप में उपयोगिता प्रमाण पत्र मे दर्शाया गया है।

पिछले वर्ष मे योजना अनुदान खाते को योजना अनुदान रिजर्व खाते मे तथा परिसंपतियो की योजना अनुदान दायित्व को आस्थगित क्रेडिट दायित्व मे नामित किया गया है।

12. वर्तमान परिसंपत्तियां

वर्तमान परिसंपत्तियां को दो अनुसूचियां 9 और 10 में विभाजित किया गया है।

13. मूल्य ह्रास

मूल्य ह्रास परिसम्पत्तियों को निर्धारित 6वें लेखा मानकों के आधार पर प्रभार किया गया है और अनुदान दायित्व योजना के लिए परिसम्पत्ति खातों का स्थानान्तरण किया गया है। इस प्रकार की योजना अनुदान दायित्व सभी योजना अनुदान व्यय के लिए परिसम्पत्ति खाते को ऋण की शेष राशि के रूप में दिखाया गया है, परिसम्पत्तियों के लिए अनुदान के दायित्व को लेखा मानक 6 और 12 अनुसार मूल्यह्रास लागू किया गया है। वर्ष के लिए अधिशेष/ घाटे पर मूल्य ह्रास का कोई प्रभाव नहीं है। योजना अनुदान खाते से बनाई गई सम्पत्ति के मूल्य के अलावा परिसम्पत्ति खातों के साथ ह्रास के रूप में योजना अनुदान दायित्व मे कमी पाई गयी है।

लेखा अभ्यास के रूप में, महीने में 15 तारीख के बाद प्राप्त परिसम्पत्तियां आगामी माह में चली जाती हैं तो आगामी महीने की 15 तारीख से पहले के दिनों की संख्या को पूरे महीने में सन्तुलित किया गया है।

14. परिसंपत्तियां लेखा

उन परिसम्पत्तियों की खरीद जिनकी उम्र 3 वर्ष होती है और मूल्य 10,000.00 उनका पूंजी परिसम्पत्ति के रूप में हिसाब है। और जिन परिसम्पत्यिों का मूल्य 10,000.00 से कम या बराबर होता है उनको 3 वर्ष के बाद प्रत्याशा राजस्व व्यय और आय–व्यय के रूप में लिया गया है।

रूपये 25,000.00 से कम लागत वाली परिसम्पत्तियों की मरम्मत एवं नवीनीकरण से उनकी उम्र बढ़ायी गयी है। उसको राजस्व व्यय और आय व्यय में दिखाया गया है। रूपये 25,000.00 से अधिक धनराशि वाली परिसम्पत्ति की मरम्मत को पूंजी व्यय में दिखाया गया है।

स्थानः उत्तराखण्ड **निदेशक**
दिनांकः15.04.2014

संस्था का नामः राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखण्ड
रोकड़ प्रभाव वर्णन वर्ष के अन्त 31 माच 2014

(रूपये लाखों में)

संचालन की गतिविधि से रोकड़ प्रभाव		
वर्ष में अधिशेष/घाटा		**207.29**
गैर संचालन आय/व्यय का समायोजन		
मूल्य ह्रास		
अपलेखन		
ऋणों पर व्याज व्यय		
(व्याज से आय)		
(लाभांश से आय)		
(मान्यता प्राप्त परिसम्पत्ति से सम्बन्धित अनुदान आय के रुप मे आय व्यय खाता)		
अधिशेष घाटे से चालू सम्पत्ति/चालू दायित्व में परिवर्तन		
चालू सम्पत्ति में वृद्धि/कमी	(995.78)	
चालू दायित्व में वृद्धि और कमी	154.70	
		(841.08)
संचालन की गतिविधि से कुल रोकड़ (207.29+(841.09))		**(633.79)**
निवेश गतिविधियो से रोकड़ प्रभाव		
अचल संपतियो मे (खरीद)/ विक्रय	(2359.33)	
(खरीद)/ विक्रय मे निवेश	492.44	
प्राप्त ब्याज		
प्राप्त लाभांश		
निवेश गतिविधियो से कुल रोकड़ प्रभाव		**(1866.89)**
वित्तिय गतिविधि से रोकड़ प्रभाव		
वर्ष के दौरान सामान्य निधि के लिए परिवर्धन	(7.49)	
संस्थापको/प्रमोटरों के योगदान के लिए अनुदान/निधि		
दायित्व पूर्ण न करने वाले सम्पति के लिए अनुदान/निधि	2359.33	
योजना अनुदान	181.01	
नामित/निर्धारित निधि	22.33	
बंन्दोबस्ती कोष (मुख्य राशि)	123.70	
दीर्घकालीक उधारी से प्राप्त आय		
दीर्घकालीक उधारी अदायगी		
ऋण पर ब्याज का भुगतान		
वित्तिय गतिविधियो से कुल रोकड़ (207.29+(841.09))		**2678.88**
रोकड़ समतुल्य मे कुल घटोतरी/बढोतरी		**178.20**
वर्ष के प्रारम्भ मे रोकड़ और रोकड़ समतुल्य (रोकड + बैक)		**89.01**
वर्ष के अन्त मे रोकड़ और रोकड़ समतुल्य (रोकड + बैक)		**267.21**

स्थानः उत्तराखण्ड
दिनांकः15.04.2014

निदेशक